गैरसैंण, मंगलवार
15 अप्रैल 2025
वर्ष: 16
अंक: 317 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक: स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

बैसाखी मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

चमोली : सोमवार को बैसाखी संक्रांति के पर्व पर नारायणबगड़ के पंती तथा थराली के कुलसारी में देवडोलियों के गंगा स्नान के साथ ही पिंडरघाटी में बैसाखी मेलों की शुरुआत हो गई है। इस अवसर पर देवताओं के पश्वाओं ने पिंडर नदी में डुबकी लगाकर देवमूर्तियों को स्नान कराया और पूजा-अर्चना करने के बाद मेले में अपने नियत स्थानों पर विराजमान हो गए। जहां पर पहले से ही देवदर्शनों के लिए लोगों की लंबी कतारें लगी हुई थी। इससे पूर्व सोमवार सुबह कौब, मींग, माल, हंसकोटी, खैनोली, बैनोली, निलाड़ी, देवपूरी, असेड़ आदि गांवों में देवमूर्तियों को गर्भगृहों से सभामंडप में लाकर गंगा स्नान के लिए देवडोलियों में विराजमान कराया गया। इसके बाद गांव से गाजे बाजों, ढोल-दमाऊं भंकोरों तथा शंखनाद के साथ भूमियाल देवता की अगुवाई में देव डोलियों की शोभायात्राएं गंगा स्नान के लिए रवाना हुईं। इसी तरह मलियाल थोक से मलियाल देवता, आदरा गांव से महादेव की डोली तथा भटियाणा-मैटा से मां कुंवारी के नैजा-निषाण गंगा स्नान के लिए कुलसारी में पिंडर नदी के तटपर पर पहुंचे और स्नान व पूजा अर्चना के उपरांत सभी देवडोलियों, निषाणों ने समूहों में नृत्य करते हुए मेले में आए हुए लोगों को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर लोगों ने देवडोलियों पर अक्षत व फूल बरसाकर मनौतियां मांगी। मंगलवार को नारायणबगड़ के कौब, मींग तथा माल गांव में बैसाखी मेलों का आयोजन होगा। (एजेंसी)

ऋषिकेश में 48 घंटे में 106 वाहनों के चालान

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा के मद्देनजर संभागीय परिवहन विभाग ने ऋषिकेश क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान टीम को 19 वाहनों में क्षमता से अधिक सवारी मिली। अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर भी कुल 106 वाहनों के चालान किए गए। आरटीओ प्रवर्तन डॉ. अनीता चमोला के निर्देश पर दो दिवसीय सघन चेकिंग अभियान में विभागीय टीम ने अभियान चलाया। ऋषिकेश व आसपास के इलाकों में नेशनल हाईवे समेत अन्य मार्गों पर चली सघन चेकिंग में 12 अप्रैल को 54 और 13 अप्रैल को 54 ही चालान किए गए। मार्गों पर संभागीय परिवहन विभाग की सघन चेकिंग से वाहन चालकों में हड़कंप की स्थिति दिखी। एआरटीओ प्रवर्तन रश्मि पंत ने बताया कि इनमें बगैर हेलमेट, ट्रिपलिंग, सवारी वाहनों में ओवरलोडिंग और दस्तावेजों के पूरे नहीं होने आदि को लेकर चालानी कार्रवाई की गई। बताया कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को यह सघन अभियान चलाया गया था।

बैसाखी पर देव डोलियों संग श्रद्धालुओं ने किया गंगा स्नान

उत्तरकाशी। बैसाखी पर्व पर गंगा घाटों पर आस्था का सैलाब देखने को मिला। दूर दराज क्षेत्र के ग्रामीण ब्रह्ममुहूर्त में देव डोलियों संग गंगा स्नान को पहुंचे और गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने विशेष पूजा–अर्चना की और मंदिरों जलाभिषेक भी किया। सोमवार को बैसाखी पर्व पर उत्तरकाशी के पौराणिक मणिकर्णिका, जडभरत, गंगोरी, लक्ष्येश्वर, देवीधार, हीना आदि स्नान घाटों पर सुबह चार बजे से ही श्रद्धालु एवं देव डोलियां गंगा स्नान के लिए पहुंचने लगी। जहां पर सभी ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई और गंगा आरती के साथ अपने–अपने अराध्य देवी देवताओं की पूजा अर्चना की। स्नान पर्व पर मुसड़गांव के नागराजा देवता, पंचाणा गांव के चंदणनाग, नागणी माता, खंडद्वारी, नाग देवता, रेणुका देवी, भैरव देवता, राजराजेश्वरी की देव डोलियां, ढोल, निशान आदि गंगा स्नान को पहुंची और गंगा में स्नान करने के बाद अपने गंतव्य को रवाना हुई। इस दौरान नगर के प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर, हनुमान, कंडार देवता सहित नगर क्षेत्र के प्रमुख मंदिरों में भी जलाभिषेक व दर्शनी के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी बैसाखी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। ग्रामीणों ने पंचायत के चौक और मंदिरों में देवी–देवताओं की पूजा–अर्चना की और श्रीफल, पुष्प, फल, दूध, दही, नैवैद्य के साथ चावल से बनी पापड़ी और पूरी का भोग लगा कर कुशलता की कामना की। इस मौके पर ग्रामीण पूर्णानंद, राजेन्द्र गंगाड़ी, महेश चंद्र, जितेन्द्र, लक्ष्मी प्रसाद, राम संजीवन, हरि शंकर, अरुण प्रकाश, काशीराम, सूर्य प्रकाश, सुमन, अंकित नौटियाल आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

यमुनोत्री हाईवे पर वाहन दुर्घटनाग्रस्त, तीन की मौत

उत्तरकाशी। डामटा चौकी के अंतर्गत चामी के पास सोमवार को सुबह के दौरान विकासनगर से नौगांव की ओर जा रहा एक पिकअप वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को सुबह विकासनगर से नौगांव के लिए परचून का सामान ले जा रहा एक पिकअप वाहन डामटा पुलिस चौकी के अंतर्गत चामी बर्नीगाड के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जो करीब 500 मीटर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में नौशाद पुत्र नूर मोहम्मद निवासी जीवनगढ़ थाना विकासनगर देहरादून, प्रवीन जैन पुत्र चमन लाल निवासी जीवनगढ़ थाना विकासनगर देहरादून और अजय शाह पुत्र बरगी नाथ निवासी चौबेया थाना सासाराम जिला रोहतास बिहार, हाल पता–जीवनगढ़ थाना विकास नगर देहरादून की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस और एसडीआरएफ द्वारा मृतकों के शव को खाई से निकाला गया है। आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दुल गुसाईं ने बताया कि शवों को पीएम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव भेज दिया गया है।

तेज रफ्तार कार ट्रक से टकराई, एक की मौत, दूसरा घायल

विकासनगर। विकासनगर–हरबर्टपुर रोड स्थित समरफील्ड स्कूल के पास रविवार देर रात तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और कार में सवार दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचायतनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। चौकी इंचार्ज हरबर्टपुर सनोज कुमार ने बताया कि देर रात करीब पौने बारह बजे सूचना मिली कि समरफील्ड स्कूल के पास एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो एचपी नंबर की सेंट्रो कार स्कूल के मैन रोड पर साइड में खड़े ट्रक से टकराई हुई थी।

खाई में गिरा सीमेंट से लदा ट्रक, चालक घायल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पाबौ में सीमेंट से लदा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर 50 मीटर खाई में जा गिरा। दुर्घटना में चालक घायल हो गया। स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने घायल चालक का रेस्क्यू कर सीएचसी पाबौ के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

पाबौ चौकी प्रभारी नवीन पुरोहित ने बताया कि सोमवार को एक ट्रक कोटद्वार से पाबौ के लिए चला था। इस दौरान पाबौ में अचानक ट्रक अनियंत्रित होकर 50 मीटर खाई में गिर गया। स्थानीय ग्रामीणों ने दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी। जिस पर पुलिस ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर चालक का रेस्क्यू कर खाई से सुरक्षित बाहर निकाला। बताया कि चालक सुदामा सिंह 32 वर्ष पुत्र कुंवर सिंह निवासी आमसौड़, दुगड्डा पौड़ी को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाबौ में भर्ती कराया गया।

जहां से उसे चिकित्सकों ने जिला अस्पताल पौड़ी के लिए रेफर कर दिया है। बताया कि घायल चालक की स्थिति खतरे से बाहर है। पूछताछ में चालक ने बताया कि ट्रक का फट्टा टूटने की वजह से यह हादसा हुआ।

पीएम मोदी ने हिसार–अयोध्या फ्लाइट को दिखाई हरी झंडी

नए टर्मिनल भवन का शिलान्यास भी किया

हिसार , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिसार को पहले एयरपोर्ट की सौगात दी। उन्होंने एयरपोर्ट से हिसार–अयोध्या फ्लाइट को हरी झंडी दिखाई और बटन दबाकर नए टर्मिनल का शिलान्यास भी किया।

हरियाणावासियों को इस शुभ दिन की बधाई देते हुए उन्होंने कहा, यह शुरुआत हरियाणा के विकास को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएगी। पीएम मोदी ने कहा, आज हरियाणा से अयोध्या धाम के लिए फ्लाइट शुरू हुई है। यानी अब श्रीकृष्ण जी की पावन भूमि हरियाणा, श्रीराम जी की भूमि से सीधी जुड़ गई है। बहुत जल्द यहां से दूसरे शहरों के लिए भी उड़ानें शुरू होंगी। आज हिसार एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का शिलान्यास भी हुआ है। यह शुरुआत हरियाणा के विकास को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएगी। हरियाणा के लोगों को इस नई शुरुआत के लिए ढेर सारी बधाई देता हूं। मेरा आपसे वादा रहा है कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज में उड़ेगा। प्रधानमंत्री ने एक आंकड़े की जुबानी आम लोगों की हवाई यात्रा की कहानी सुनाई। उन्होंने कहा, बीते दस सालों में करोड़ों भारतीयों ने जीवन में पहली बार हवाई सफर किया है। हमने वहां भी नए एयरपोर्ट बनाए, जहां कभी अच्छे रेलवे स्टेशन तक नहीं थे। 2014 से पहले देश में 74 एयरपोर्ट थे, 70 साल में 74। आज देश में एयरपोर्ट की संख्या 150 के पार हो गई है। पीएम मोदी ने अंबेडकर जयंती के खास अवसर पर लोगों को बधाई देते हुए कहा, आज का दिन हम सभी के लिए, पूरे देश के लिए और खासकर दलित, पीड़ित, वंचित, शोषित के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है। उनके जीवन में ये दूसरी दिवाली है। आज संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती है। उनका जीवन, उनका संघर्ष, उनका संदेश हमारी सरकार की 11 साल की यात्रा का प्रेरणा स्तंभ बना है। हर दिन, हर फैसला, हर नीति, बाबा साहेब अंबेडकर को समर्पित है।

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए डॉ. बी.आर. अंबेडकर महामंच ने किया मुख्यमंत्री धामी को सम्मानित

•संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर हरिद्वार में किया गया सम्मानित

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए डॉ. बी.आर. अंबेडकर महामंच द्वारा हरिद्वार में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर हरिद्वार में बी.एच.ई.एल मैदान में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कि चिलचिलाती धूप में बड़ी संख्या में स्थानीय जनता की जोशपूर्ण मौजूदगी रही। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सम्मान के लिए आभार जताते हुए कहा कि इतनी बड़ी संख्या में उमड़ी जनता से जाहिर है कि जनता ने इस साहसिक फैसले पर अपना भरोसा जता दिया है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि उस विचारधारा को था जिसने वर्षों से भारतीय समाज में न्याय और समानता की आवाज़ बुलंद की है।अपने संबोधन में मुख्यमंत्री धामी ने बाबा साहेब को एक युगदृष्टा बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर इस बात में विश्वास रखते थे कि जब तक देश के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार प्राप्त नहीं होते, तब तक समाज में सच्ची समानता संभव नहीं है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उत्तराखंड सरकार ने सिर्फ एक कानून नहीं लागू किया, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि वर्षों तक बाबा साहेब की उपेक्षा की गई, उनके विचारों को हाशिए पर रखा गया, जबकि आज का भारत उनके सपनों को अपनाने की ओर अग्रसर है। सीएम ने कहा कि हरिद्वार में उमड़ी यह भीड़ केवल उपस्थित लोगों का जमावड़ा नहीं है– यह एक जनआवाज़ है, जो कह रही है कि मुख्यमंत्री धामी के फैसलों पर जनता का भरोसा है और अब यह गूंज उत्तराखंड से निकलकर पूरे देश में सुनाई दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और हमारी दृढ़ इच्छाशक्ति ने मिलकर यह ऐतिहासिक निर्णय संभव किया है। यह सिर्फ एक कानून लागू करने की बात नहीं, यह एक नए भारत की ओर बढ़ाया गया निर्णायक कदम है। मुख्यमंत्री धामी ने आने वाले पीढ़ी को अनुसूचित समाज का उद्धार करने वाले समाजसेवकों के जीवन चरित्र और इतिहास के साथ–साथ भारतीय संविधान के बारे में जानकारी देने के लिए हरिद्वार में बाबा साहब समरसता स्थल का निर्माण किए जाने। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित की जाने वाली एससीपी/टीएसपी योजनाओं के अन्तर्गत अनुसूचित समाज की बाहुल्यता वाले क्षेत्रों में उत्तराखण्ड के दलित/अनुसूचित वर्ग/अनुसूचित जनजाति वर्ग के समाज सुधारकों के नाम पर बहुद्देशीय भवन बनाये जाने एवं अनुसूचित समाज के कल्याण संबंधी योजनाओं व अधिकारों के प्रति हमारी आने वाली पीढ़ी को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में विशेष जन–जागरूकता कार्यक्रम अनुसूचित जाति आयोग के माध्यम से आयोजित किए जाने की घोषणा की।

थार कार ने टैम्पू में मारी टक्कर, महिला की मौत

हरिद्वार। बैशाखी के दिन स्नान के लिए हरिद्वार आई ऐटा यूपी निवासी महिला की सड़क हादसे में मौत हो गई। शहर कोतवाली क्षेत्र के हाईवे पर कार ने टैम्पो को टक्कर मार दी। इससे महिला की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए, जिनका एम्स ऋषिकेश में उपचार चल रहा है।

घटना रविवार की है, जब सरिता पत्नी स्वर्गीय प्रमोद शर्मा अपने परिवार के अन्य सदस्य ताऊ रामकुमार, प्रेमचंद और गुड्डी के साथ हरिद्वार आई थी। महिला हरकी पैड़ी जाने के लिए ऑटो में बैठी थी। आरोप है कि हरिद्वार हाईवे पर हनुमान वाटिका के निकट थार ने तेजी और लापरवाही से चलाकर टैम्पो में टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि टैम्पो में बैठी सरिता को गंभीर चोटें आईं, जिनकी उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि सरिता के ताऊ रामकुमार भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका इलाज एम्स ऋषिकेश में चल रहा है।

ग्रीष्मकाल के लिए खुले मां गौरामाई मंदिर के कपाट

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ यात्रा के प्रमुख पड़ाव गौरीकुंड स्थित मां गौरी माई मंदिर के कपाट सोमवार को विधि-विधान के साथ खोल दिए गए हैं। विद्वान आचार्य, मंदिर के पुजारी, कर्मचारी एवं ग्रामीणों की मौजूदगी में सुबह 8:30 बजे गौरा माई मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। सोमवार सुबह गौरी गांव स्थित मंदिर से कुल पुरोहित द्वारा पूजा-अर्चना के बाद मां गौरी की भोग मूर्तियां को कंडी में रख कर आचार्यों एवं ग्रामीणों की मौजूदगी में गौरीकुंड स्थित गौरी माई मंदिर में लाया गया। जय माता दी के जयकारों के साथ स्थानीय लोगों में उत्साह का माहौल देखा गया। सुबह 8:30 बजे शुभमुहूर्त पर मां गौरी देवी मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन भी किया गया। मंदिर मठापति संपूर्णानन्द गोस्वामी ने कहा कि पूर्व परम्पराओं के अनुसार सोमवार सुबह गौरी गांव स्थित माता के मंदिर से गौरी माई की भोग मूर्तियों को कंडी में रखते हुए गौरीकुंड लाया गया, जहां विधि विधान के साथ ग्रीष्मकाल के लिए गौरीकुंड मंदिर के कपाट दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं। अब छह माह मां की इसी स्थान पर पूजा-अर्चना की जाएगी। इस मौके पर कुल पुरोहित कल्पेश जमलोकी, मन्दिर प्रबंधक कैलाश बगवाड़ी, गौरीशंकर गोस्वामी, माया राम गोस्वामी, विष्णु गोस्वामी, प्रकाश गोस्वामी, मुकेश गोस्वामी सहित ग्रामीण व व्यापारी मौजूद थे। (एजेंसी)

खरसाली में खुले समेश्वर महाराज के कपाट

उत्तरकाशी। मां यमुना के मायके खुशीमठ (खरसाली) में स्थित समेश्वर महाराज मंदिर के कपाट रविवार को बैसाख संक्रांति के अवसर पर सुबह 7.30 बजे विशेष पूजा–अर्चना और विधि–विधान से ग्रीष्मकाल के लिए श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं। नौगांव ब्लॉक के अंतर्गत गीठ पट्टी के 12 गांवों के आराध्य देव समेश्वर महाराज का पौराणिक मंदिर यमुना के शीतकालीन प्रवास खुशीमठ में है। शीतकाल में चार माह तक समेश्वर महाराज के कपाट बंद रहते हैं जो अब बैसाखी पर्व पर ग्रीष्मकाल के लिए श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं। तीर्थ पुरोहित मनमोहन उनियाल, सोमेश्वर महाराज के पुजारी संतोष उनियाल ने बताया कि कपाट खुलने के बाद अब यहां पर शनिदेव महाराज समेश्वर महाराज की विधिवत पूजा अर्चना की जाएगी तथा देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालु यहां समेश्वर महाराज के दर्शन कर सकते हैं। सुबह मंदिर के कपाट खुलने के बाद विधिवत पूजा अर्चना कर दोपहर में समेश्वर महाराज की डोली मंदिर के गर्भ गृह से बाहर निकली और यहां मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने शनिदेव की पूजा–अर्चना कर भेंट चढ़ाई गई। इस मौके पर समेश्वर देवता समिति के अध्यक्ष जयबीर सिंह रावत, सचिव सूरज तोमर, पूर्व विधायक केदार सिंह रावत, बड़कोट नगर पालिका अध्यक्ष विनोद डोभाल, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अजबीन पंवार, महाबीर पंवार माही, यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल, गौरव उनियाल, संजीव उनियाल, अरविंद रावत, यशपाल राणा, पवन उनियाल, सुशील उनियाल, प्रदीप उनियाल, आशुतोष उनियाल सहित गांव के ग्रामीण और आसपास के गांव से पहुंचे श्रद्धालु मौजूद रहे।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर बोले गिरिराज सिंह, वक्फ को लेकर ममता बनर्जी फैला रहीं भ्रम

बेगूसराय ,केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता गिरिराज सिंह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह हिंसा सरकार की नाकामी का सबूत है और ममता बनर्जी हिंदुओं को पलायन के लिए मजबूर कर रही हैं। साथ ही, उन्होंने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप विपक्षी नेताओं पर लगाया।

गिरिराज सिंह ने मुर्शिदाबाद की हिंसा को दुखद बताते हुए कहा कि यह घटना जम्मू–कश्मीर के 1990 के दशक की याद दिलाती है। उन्होंने कहा कि लोगों की दुकानें लूटी गईं, घर जलाए गए। पुलिस मूकदर्शक बनी रही। इतनी बड़ी घटना बिना सरकार की शह के नहीं हो सकती। ममता बनर्जी रक्षक थीं, लेकिन अब भक्षक बन गई हैं। क्या बंगाल कश्मीर या बांग्लादेश बन जाएगा? उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतंत्र में लोगों को अपनी बात रखने का हक है, लेकिन संपत्ति और जान–माल की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है, जिसमें ममता सरकार पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने आगे कहा कि इस हिंसा ने बंगाल को बांग्लादेश से भी आगे पहुंचा दिया है।

परिसंपत्तियों के बंटवारे पर महाराज के बयान पर हरीश रावत का प्रहार

देहरादून। परिसंपत्तियों को लेकर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के एक बयान के बाद पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने उन पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के ये शीर्ष मंत्री और आध्यात्मिक गुरु एक बार फिर इस मुद्दे पर प्रदेश की जनता को बरगला रहे हैं। सोशल मीडिया में आनी एक पोस्ट में पूर्व सीएम रावत ने इस मुद्दे को लेकर मंत्री सतपाल महाराज की खिंचाई की है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्ष से भाजपा के कई मुख्यमंत्री आए और गए, मंत्री आए और गए। हर कोई हर बार यही बयान देते रहे हैं। मगर परिसंपत्तियां उत्तराखंड को आज तक नहीं मिली हैं। कहा कि कांग्रेस की सरकार तीन वर्ष रही (2014 से 2017)। इस दौरान सरकार ने परिसंपत्तियां भी लीं, जो पैसे उत्तराखंड को मिलने थे, वह भी लिए। जल संपति के बंटवारे में भी कई नहरें और कई सिंचाई परिसंपत्तियां वापस लीं।

रावत ने कहा कि हम सिंगल इंजन की सरकार थे। आज तो दोनों राज्यों में डबल व ट्रिपल इंजन की सरकारें हैं। परिसंपत्तियों के नाम पर तो उत्तराखंड को कुछ भी नहीं मिला। इतना जरूर हुआ कि हरिद्वार, बदरीनाथ और केदारनाथ में बहुमूल्य भू–खंड उत्तर प्रदेश को दे दिए गए।

अतिक्रमण हटाओ अभियान पर उठाए सवाल

पूर्व सीएम रावत ने कहा कि रिस्पना और बिंदाल नदियों के किनारे सरकारी भूमि को खाली कराने के लिए गरीबों के घरों पर तो निशान लगाए जा रहे हैं, जबकि बड़ी–बड़ी इमारतों की तरफ देखा भी नहीं जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह 20 अप्रैल को इसके खिलाफ आवाज उठाएंगे। उनके विरोध का क्या तरीका होगा, इसका खुलासा वह बाद में करेंगे।

हजको लेकर सऊदी ने बदले नियम, इन लोगों पर लगाई रोक

नई दिल्ली ,सऊदी अरब सरकार ने इस साल की हज यात्रा के लिए कई नए नियम जारी किए हैं, जिनका असर भारत समेत दुनिया भर के हज यात्रियों पर पड़ेगा। सऊदी गृह मंत्रालय द्वारा जारी इन नियमों में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव बच्चों की हज यात्रा को लेकर है।

12 साल से कम उम्र के बच्चों को हज वीजा नहीं

नए नियमों के तहत, अब 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को हज यात्रा के लिए वीजा जारी नहीं किया जाएगा। इस फैसले के कारण भारत में हज कमेटी को भेजे गए 291 बच्चों के आवेदन निरस्त कर दिए गए हैं। प्रभावित बच्चों में उत्तर प्रदेश के 18 बच्चे भी शामिल हैं।

उमराह और मक्का प्रवेश के लिए भी नए दिशा–निर्देश

जो लोग हज यात्रा से पहले उमराह करना चाहते थे, उनके लिए सऊदी अरब में प्रवेश की अंतिम तिथि 13 अप्रैल निर्धारित की गई थी (जो अब बीत चुकी है)। ऐसे सभी यात्रियों को 29 अप्रैल 2025 तक सऊदी अरब छोड़ना अनिवार्य होगा। 23 अप्रैल से मक्का शहर में प्रवेश के लिए नियमों को सख्त किया जा रहा है। शहर में दाखिल होने के लिए व्यक्ति के पास वैध वर्क परमिट, मक्का का पहचान पत्र (इकामा) या हज यात्रा का परमिट होना अनिवार्य होगा। बिना इनमें से किसी वैध दस्तावेज के पाए जाने पर व्यक्ति को मक्का में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा और उसे वापस भेज दिया जाएगा।

प्रभावित परिवारों के लिए कैंसलेशन का विकल्प

जिन परिवारों के बच्चों का आवेदन 12 साल से कम उम्र के नियम के कारण निरस्त हुआ है, वे चाहें तो बच्चे को छोड़कर परिवार के अन्य सदस्य हज यात्रा पर जा सकते हैं। यदि कोई परिवार इस वजह से अपनी पूरी यात्रा रद्द करना चाहता है, तो वे आज, यानी 14 अप्रैल 2025 तक, बिना किसी निरस्तीकरण शुल्क (कैंसलेशन चार्ज) के अपनी बुकिंग ऑनलाइन या 'हज सुविधा ऐपझ् के माध्यम से रद्द कर सकते हैं।

भारत में हज यात्रा की तैयारियां

भारत से हज यात्रियों के लिए उड़ानें 29 अप्रैल से शुरू होने की संभावना है। इससे पहले, स्वास्थ्य दिशानिर्देशों के तहत, 15 अप्रैल से हज यात्रियों को दिमागी बुखार (मेनिनजाइटिस) के टीके लगाए जाने की तैयारी है,उत्तर प्रदेश राज्य हज कमेटी द्वारा सूचित किया गया है।

सरकार का बड़ा फैसला, 55 लाख गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन किए गए रद्द

नई दिल्ली ,दिल्ली सरकार ने बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए पुरानी गाड़ियों पर शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। सरकार ने 15 साल से पुरानी गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है। दिल्ली में 15 साल से पुराने वाहन करीब 55 लाख से ज्यादा है। परिवहन विभाग द्वारा जारी सूचना के मुताबिक 2024 से दिल्ली में 10 साल से पुरानी डीजल और 15 साल से पुरानी पेट्रोल/सीएनजी गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है। इन वाहनों में ट्रक, कैब, कार, मोटरसाइकिल और ऑटो रिक्शा भी शामिल है। सार्वजनिक जगहों पर इन गाड़ियों को पार्क करने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसमें घर के बाहर की जगह भी शामिल है।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिक गिरफ्तार

डिपोर्टेशन का आदेश जारी

नई दिल्ली ,राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में, दिल्ली पुलिस ने सोमवार को जानकारी दी कि उत्तम नगर और मोहन गार्डन इलाकों से 15 विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है, जो बिना वैध वीजा या दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए इन 15 विदेशी नागरिकों में 12 नाइजीरियाई और एक आइवरी कोस्ट का नागरिक है। बाकी दो नागरिकों की राष्ट्रीयता का सत्यापन किया जा रहा है, हालांकि शुरुआती जानकारी में बांग्लादेशी नागरिकों के भी इन इलाकों में अवैध रूप से रहने का उल्लेख था। पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के दौरान यह पाया गया कि ये सभी लोग अपने वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी या बिना किसी वैध दस्तावेज के भारत में तय समय से ज्यादा दिनों से रह रहे थे।

पुलिस ने इन सभी 15 विदेशी नागरिकों को पकड़कर फिलहाल डिटेंशन सेंटर भेज दिया है। मामले की जानकारी विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (स्त्रक्रक्ह) को दी गई। अधिकारी के अनुसार, सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्त्रक्रक्ह ने इन सभी को उनके मूल देश वापस भेजने (डिपोर्ट करने) का आदेश जारी कर दिया है।

सम्पादकीय

सुरक्षित यात्रा की उम्मीदें

चार धाम यात्रा से पहले एक पहाड़ी मार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं का बढ़ना एक चिंता का कारण हो सकता है। 20 अप्रैल से चार धाम यात्रा शुरू होने जा रही है और राज्य सरकार ने इसके लिए पुख्ता तौर पर प्रबंध किए हैं। इन प्रबंध में यात्रियों की सुरक्षा से लेकर परिवहन व्यवस्था स्वास्थ्य एवं उन सभी विषयों को शामिल किया गया है जिससे कि श्रद्धालुओं की यात्रा बिना किसी परेशानियों के संपन्न हो सके। इधर उत्तराखंड के चारों धाम विषम पहाड़ी मागी से गुजरने के बाद ही अपने दर्शन कराते हैं और यहां तक पहुंचाने के लिए निश्चित तौर पर वाहन चालक का अपने क्षेत्र में निपुण होना बेहद जरूरी है। अभी यात्रा प्रारंभ नहीं हुई है लेकिन इससे पूर्व स्थानीय स्तर पर ही कुछ दुर्घटनाएं प्रकाश में आई है जिनमें एक ही परिवार के पांच लोग दुर्घटना का शिकार बने तो एक अन्य घटना में तीन लोगों की जान चली गई। छिटपुट घटनाएं पहाड़ी मार्गों पर अक्सर होती रहती है। हमेशा से ही उत्तराखंड के पहाड़ी मार्गों पर दुर्घटनाओं में कमी लाने के प्रयास सरकार द्वारा किए जाते हैं और कई ऐसी व्यवस्थाएं भी की जाती है ताकि सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके। हालांकि तमाम प्रयासों के बाद भी ऐसे बड़े दर्दनाक प्रकरण सामने आते हैं जो पूरी व्यवस्था को झकझोर कर रख देते हैं। उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध चार धाम यात्रा जल्दी शुरू होने वाली है और इससे पहले राज्य सरकार को सड़कों की दशा युद्ध स्तर पर सुधारनी होगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस सीजन में कोई बड़ी दुर्घटना ना हो लेकिन यह तभी संभव है जब सरकार चाकचौबंद परिवहन व्यवस्था को धरातल पर उतारने का प्रयास करेगी। राज्य सरकार ने चार धाम यात्रा मार्ग पर इस बार पिछले साल की व्यवस्था में आई कमी के बाद बड़े पैमाने पर सुधार का दावा किया है लेकिन सबसे महत्वपूर्ण विषय दुर्घटनाओं को रोकने का होना चाहिए। इसके लिए जहां एक तरफ वाहनों की ओवरलोडिंग पर नजर रखना महत्वपूर्ण होगा तो वहीं दूसरी तरफ अनुभवी चालकों को ही पहाड़ों में वाहन चलाने के लिए स्वीकृत करना होगा। अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के साथ होने वाली कोई भी दुर्घटना पूरे देश को विचलित करती हैं और ऐसी दुर्घटनाओं से न जाने कितने ही परिवारों में जिंदगी भर का कड़वा कड़ा अनुभव घर कर जाता है। उम्मीद की जाती है कि इस बार की चार धाम यात्रा में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं पर उनके आराध्य देवों की कृपा रहेगी और राज्य सरकार की व्यवस्थाएं एक आरामदायक, परेशानी मुक्त और सुरक्षित यात्रा के लिए कसौटियों पर खरी उतरेगी।

साइबर युग में फंसती जा रही आने वाली पीढ़ी

नृपेंद्र अभिषेक नृप

आज के समय में डिजिटल मीडिया हमारी जिंदगी का एक अभिन्न अंग बन चुका है। बच्चों और किशोरों के लिए इंटरनेट केवल एक मनोरंजन का माध्यम नहीं रहा, बल्कि यह उनके मानसिक विकास, सामाजिक पहचान और मूल्यों को आकार देने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या यह डिजिटल युग हमारे बच्चों के लिए सुरक्षित है?

क्या सोशल मीडिया कंपनियां मुनाफे की दौड़ में बच्चों की सुरक्षा को नजरअंदाज कर रही हैं? हाल के वर्षों में कई घटनाओं और शोध ने इस चिंता को और प्रबल कर दिया है कि किस प्रकार सोशल मीडिया के प्रभाव से किशोरों की मानसिकता और उनके व्यवहार पर नकारात्मक असर पड़ रहा है।

फिक्की–ईवाई की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में डिजिटल मीडिया ने टेलीविजन को पछाड़कर मनोरंजन उद्योग में सबसे अधिक राजस्व अर्जित करने वाला माध्यम बन गया है। भारत में 40 फीसद से अधिक मोबाइल फोन उपयोग का समय सोशल मीडिया पर बिताया जाता है। यह आंकड़ा बताता है कि इंटरनेट अब न केवल संचार का साधन है, बल्कि यह बच्चों की दुनिया का एक बड़ा हिस्सा बन चुका है। किशोरों के लिए सोशल मीडिया एक ऐसा मंच बन गया है जहां वे अपनी पहचान बनाते हैं, दोस्त बनाते हैं और खुद को अभिव्यक्त करते हैं, लेकिन इस जुड़ाव के गंभीर परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

नेटफ्लिक्स की चार–भागों वाली डॉक्यूमेंट्री 'किशोरावस्था ' ने इस मुद्दे को और गहराई से उजागर किया है। इसमें एक 13 वर्षीय लड़के द्वारा अपनी सहपाठी की हत्या की घटना को दिखाया गया है। यह एक चरम मामला हो सकता है, लेकिन इससे यह स्पष्ट होता है कि ऑनलाइन प्रभाव किस हद तक किशोर मन को प्रभावित कर सकता है। इंटरनेट पर मौजूद 'टॉक्सिक मैस्कुलिनिटीज़, घृणास्पद विचारधाराएं, और चरमपंथी विचारधाराएं किशोरों के मन में गहरी पैठ बना सकती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स का एल्गोरिदम उपयोगकर्ताओं की रुचि के अनुसार कंटेंट प्रदर्शित करता है। इस एल्गोरिदम का उद्देश्य अधिक से अधिक उपयोगकर्ताओं को प्लेटफार्म पर बनाए रखना है, भले ही इसके परिणाम किशोरों की मानसिकता पर नकारात्मक हों।

एक बार अगर कोई किशोर किसी विशेष प्रकार की सामग्री देखने लगता है, तो एल्गोरिदम उसे लगातार उसी तरह की सामग्री दिखाने लगता है। यह प्रक्रिया किशोरों को 'रैबिट होलइ में धकेल सकती है, जहां वे खुद को एक अंधकारमय और हानिकारक डिजिटल दुनिया में फंसा पाते हैं। जब भी किशोरों के गलत कार्य की बात होती है, तो स्वाभाविक रूप से माता–पिता पर जिम्मेदारी आती है, लेकिन सवाल यह भी उठता है कि क्या माता–पिता अकेले ही इस समस्या को हल कर सकते हैं?

ऑनलाइन प्लेटफार्म्स पर बच्चों की गतिविधियों पर निगरानी रखना आज के दौर में अत्यंत कठिन हो गया है। बच्चे अक्सर अपने माता–पिता से छुपाकर सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं और कई बार वे अपने वास्तविक उम्र से बड़ी उम्र का प्रमाण देकर प्रतिबंधों को पार कर लेते हैं। ऑस्ट्रेलिया जैसे कुछ देशों में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव लाया गया है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे नियम व्यावहारिक रूप से प्रभावी नहीं हो सकते, क्योंकि किशोर अक्सर तकनीकी उपायों से इन प्रतिबंधों को दरकिनार कर सकते हैं। यह समस्या केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक स्तर पर नीति–निर्माण और सामाजिक चेतना का भी विषय है। फेसबुक की पूर्व कर्मचारी फ्रांसेस हॉगन ने 2021 में इस बात का खुलासा किया था कि कंपनी के आंतरिक अध्ययन से यह सामने आया कि सोशल मीडिया पर मौजूद चरमपंथी विचारधाराएं, आत्मघाती प्रवृत्तियां, और अवसादग्रस्त करने वाली सामग्री किशोरों के लिए हानिकारक साबित हो रही हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने अपने मुनाफे को प्राथमिकता दी और इन खतरों को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए।

इसलिए यह आवश्यक हो गया है कि इन प्लेटफार्मोंकी जवाबदेही तय की जाए। इस गंभीर समस्या का समाधान केवल व्यक्तिगत प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए व्यापक सामाजिक और सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता है। सबसे पहले, कानूनी नियमन के तहत सरकारों को सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स के लिए सख्त नियम लागू करने होंगे, ताकि वे बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

उदाहरण के लिए, आयु सत्यापन प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना आवश्यक है, जिससे नाबालिगों को अनुचित सामग्री से बचाया जा सके और उनकी ऑनलाइन गतिविधियों पर बेहतर नियंत्रण रखा जा सके। इसके साथ ही, शिक्षा और जागरूकता भी इस समस्या के समाधान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। माता–पिता, शिक्षकों और बच्चों को डिजिटल साक्षरता के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। यदि इस मुद्दे को जल्द ही गंभीरता से नहीं लिया गया, तो आने वाली पीढ़ी एक ऐसे साइबर युग में फंस जाएगी, जहां मुनाफे की दौड़ में उनकी मानसिक और सामाजिक सुरक्षा दांव पर लगी होगी।

उड़ता ताबूत हैं मिग विमान, 4 वर्षों में 150 पायलटों की मौत

मिग–21 को 'उड़ता ताबूत' यूं ही नहीं कहते. रूस में निर्मित यह काफी पुराना विमान किसी म्यूजियम में रखने या किसी पार्क की सजावट बढ़ाने के योग्य रह गया है, उड़ाने लायक तो कतई नहीं. ऐसे कबाड़ हो चुके विमानों की जान का जोखिम लेकर जो पायलट हिम्मत से उड़ा रहे हैं उनके हुनर पर देश को नाज होना चाहिए. पायलट कितना ही सजग, अनुभवी व एकाग्र चित्त हो, यदि मशीन फेल या बेकाबू हो जाए तो क्या कर सकता है? यह हौसले और हुनर की बात है कि पाकिस्तान के आधुनिक अमेरिका निर्मित विमान को हमारी वायुसेना के जांबाज पायलट अभिनंदन वर्धमान ने डॉग फाइट में अपने मिग से मार गिराया था और विमान गिरने पर उन्हें पाकिस्तान में गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बावजूद इससे मिग विमान की श्रेष्ठता या उपयोगिता रेखांकित नहीं होती. इसमें दो राय नहीं कि यह आउटडेटेड और रिस्की विमान है. फ्लाइट लेफ्टिनेंट अभिजीत गाडगिल की राजस्थान के सूरतगढ़ में मिग–21 विमान की दुर्घटना में 17 सितंबर 2021 को मृत्यु हुई थी. तब से 4 वर्षों में भारतीय वायुसेना के 340 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं तथा 150 से अधिक होनहार युवा पायलटों ने जान गंवाई है. हाल ही में 2 अप्रैल को फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव जगुआर विमान की दुर्घटना में जान गवां बैठे। यह 2 सीटोंवाला विमान गुजरात के जामनगर से उड़ा था जिसमें तकनीकी खराबी आ गई. ऐसी हालत में एयरबेस तथा स्थानीय आबादी को नुकसान न पहुंचे, यह सोचकर विमान को गिरने से पहले दूर ले जाना पायलटों ने उचित समझा। यह उनकी कर्तव्य भावना थी. एक पायलट गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि सिद्धार्थ यादव शहीद हो गए. पुराने विमानों को मरम्मत कर उधारी के पुजो के साथ जैसे–तैसे उड़ने लायक बनाया जाता है लेकिन आसमान में वह कब दगा दे जाएंगे, इसका कोई भरोसा नहीं रहता. दुनिया के किसी भी प्रमुख देश के पास इतने पुराने विमानों के भरोसे वायुसेना नहीं चलती. विमानों की कमी से रक्षा जरूरतों के मुताबिक पर्याप्त स्क्वाड्रन भी नहीं बन पा रही हैं. ट्रेनर विमान से सीखकर एकदम से सुपरसॉनिक विमान उड़ाना हंसी–खेल नहीं है इसके लिए बीच में एक सब–सुपरसॉनिक विमान होना चाहिए ताकि पायलट अभ्यस्त हो सके. इस तरह के तेजस विमान को बनाने में वर्षों लग गए। अभी भी उसके इंजन को लेकर पूरी तरह समाधान नहीं हो पाया है. यह बात अपनी जगह है कि फ्रांस से राफेल विमान खरीदे गए किंतु एयरफोर्स की जरूरतों को देखते हुए उनकी तादाद अपर्याप्त है. चीन और पाकिस्तान का खतरा देखते हुए एयरफोर्स के लिए नए विमान खरीदने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए. मिग विमानों से होनेवाली ट्रेजेडी का मुद्दा 19 वर्ष पहले आमिर खान की फिल्म 'रंग दे बसंती' में उठाया गया था लेकिन सवाल है कि तबसे अब तक क्या हुआ? पायलटों की जान की क्या सचमुच सरकार को परवाह है?

गर्मी ने पानी का गणित बिगड़ा

देश के दूसरे संरक्षित जलाशयों के हालात भी मुंबई से बेहतर नहीं हैं। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, देश के अधिकांश बड़े जलाशयों में पानी उनकी कुल क्षमता के मुकाबले 45त्न तक कम हो गया है। वहीं, मौसम विभाग ने मार्च से मई के बीच भीषण गर्मी की चेतावनी दी है, तीखी गर्मी यानी जमा जल का अधिक वाष्पीकरण। सीडब्ल्यूसी के अनुसार, देश के 155 प्रमुख जलाशयों में फिलहाल 8,070 करोड़ क्यूबिक मीटर (बीसीएम) पानी बचा है, जबकि इनकी कुल क्षमता 18,080 करोड़ क्यूबिक मीटर है। जलाशय आरक्षित जल–कुंड हैं, जो खेती–किसानी की जान होते हैं। अभूत से कल–कारखाने भी इनके पानी पर निर्भर हैं।

पंकज चतुर्वेदी

भारत के सबसे बड़े महानगरों में से एक मुंबई की प्यास बुझाने का दारोमदार जिन सात जलाशयों पर है, उनमें मार्च के चौथे हफ्ते में ही महज 37.67 प्रतिशत पानी बच रह गया। इन जलाशयों में फिलहाल 5 लाख 45 हजार 183 मिलियन लीटर पानी है।

दावा है कि यह जल बमुश्किल मई महीने तक चल पाएगा। हर दिन 400 करोड़ लीटर पेयजल की मांग वाले इस महानगर में समय से पहली आई गर्मी ने पानी का गणित बिगाड़ दिया है। गर्मी के कारण जलाशयों में वाष्पीकरण तेज हो गया है। इसलिए जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है।

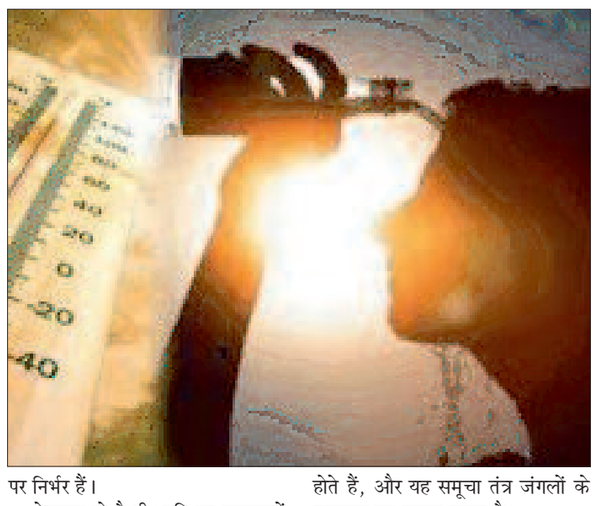

देश के दूसरे संरक्षित जलाशयों के हालात भी मुंबई से बेहतर नहीं हैं। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, देश के अधिकांश बड़े जलाशयों में पानी उनकी कुल क्षमता के मुकाबले 45त्न तक कम हो गया है। वहीं, मौसम विभाग ने मार्च से मई के बीच भीषण गर्मी की चेतावनी दी है, तीखी गर्मी यानी जमा जल का अधिक वाष्पीकरण। सीडब्ल्यूसी के अनुसार, देश के 155 प्रमुख जलाशयों में फिलहाल 8,070 करोड़ क्यूबिक मीटर (बीसीएम) पानी बचा है, जबकि इनकी कुल क्षमता 18,080 करोड़ क्यूबिक मीटर है। जलाशय आरक्षित जल–कुंड हैं, जो खेती–किसानी की जान होते हैं। अभूत से कल–कारखाने भी इनके पानी पर निर्भर हैं।

पेयजल तो है ही। यदि इन जलाशयों में पानी पर वाष्पीकरण की चोट गहरी हुई तो जान लें कि रबी और खरीफ के बीच तीसरी फसल लेने वाले खेत खाली ही रहेंगे। यदि जलाशय खाली, नदी सूखी तो बहुत सी जल विद्युत परियोजनाओं का ठप होना भी तय है। चिलचिलाती गर्मी में बिजली की कमी बड़े स्तर पर हाहाकार का न्योता है। संकट अकेले जलाशयों का नहीं है, नदियां भी समय से पहले सूख रही हैं। नदियों का सूखना अकेले पानी की कमी ही नहीं होता, इससे समूचे पर्यावरणीय तंत्र का नुकसान होता है। जमीन की नमी कम होने से ले कर जल–जंगल के जीव तक इससे प्रभावित होते हैं, और यह समूचा तंत्र जंगलों के नुकसान का कारण बनता है।

खून से लाल बस्तर की जीवन रेखा कहलाने वाली इंद्रावती नदी फरवरी के अंतिम हफ्ते में ही मैदान बन गई। बालाघाट की बावन थड़ी नदी हो या फिर अम्बिकापुर की बांकी नदी या बदायूं की सोत नदी, हर जगह जलधर की जगह रेत का मैदान है और लगता है कि नदी वास्तव में पानी के लिए नहीं, बल्कि बालू के लिए होती है। यह बात सीडब्ल्यूसी कह रहा है कि देश की 20 नदी घाटियों में से 14 में मौजूदा जल भंडार उनकी क्षमता के मुकाबले आधे से भी कम है।

इन नदी बेसिनों में से गंगा अपनी सक्रिय क्षमता के मुकाबले मात्र 50 फीसद पर है, जबकि गोदावरी में 48, नर्मदा में 47 और कृष्णा में 34 फीसद पानी ही शेष बचा है। यह परिदृश्य भूजल के लिए सबसे बड़ा खतरा है और हमारे देश की अधिकांश ग्रामीण जल योजनाएं भूजल पर ही निर्भर हैं। बढ़ती गरमी, घटती बरसात और जल संसाधनों की नैसर्गिकता से लगातार छेड़छाड़ का ही परिणाम है कि बिहार की 90 फीसद नदियों में पानी नहीं बचा। कुछ दशक पहले तक राज्य की बड़ी नदियां–कमला, बलान, फल्गू, घाघरा आदि–कई–कई धाराओं में बहती थीं जो आज नदारद हैं। झारखंड की 141 नदियों के गुम हो जाने की बात फाइलों में दर्ज हो चुकी है। राज्य की राजधानी रांची में करमा नदी देखते देखते अतिक्रमण के घेर में मर गई। हरमू और जुमार नदियां नाला बना चुकी हैं। चतरा, देवघर, पाकुड़, पूर्वी सिंहभूम घने जंगल वाले जिले हैं, जहां कुछ ही सालों में सात से 12 नदियों की जल धारा मर गई।

यह सवाल हमारे देश में लगभग हर तीसरे साल खड़ा हो जाता है कि 'औसत से कमइ पानी बरसा या बरसेगा, अब क्या होगा? देश के 13 राज्यों के 135 जिलों की कोई दो करोड़ हेक्टेयर कृषि भूमि प्रत्येक दस साल में चार बार पानी के लिए त्राहि–त्राहि करती है। अभी तक तो कम बरसात की आंशका होते ही दाल, सब्जी व अन्य उत्पादों के दाम बाजार में आसमानी हो जाते थे लेकिन अब बाजार पर सबसे अधिक असर गर्मी के आंकड़ों का है। इसके बावजूद बढ़ते तापमान के साथ पानी के इस्तेमाल की हमारी आदतें नहीं सुधर रहीं। असल में हमने पानी को ले कर अपनी आदतें खराब कीं। जब कुएं से रस्सी डाल कर पानी खींचना होता था या चापाकल चला कर पानी भरना होता था तो जितनी जरूरत होती थी, उतना ही जल उलींचा जाता था। घर में टोंटी वाले नल लगने और उसके बाद बिजली या डीजल पंप से चलने वाले ट्यूबवेल लगने के बाद तो एक गिलास पानी के लिए बटन दबाते ही दो बाल्टी पानी बर्बाद करने में भी हमारी आत्मा नहीं कांपती है।

हमारी परंपरा पानी की हर बूंद को स्थानीय स्तर पर सहेजने, नदियों के प्राकृतिक मार्ग में बांध, रेत निकालने, मलवा डालने, कूड़ा मिलाने जैसी गतिविधियों से बच कर, पारंपरिक जल स्त्रोतों–तालाब, कुओं, बावड़ी आदि के हालात सुधार कर, एक महीने की बारिश के साथ साल भर के पानी की कमी से जूझने की रही है। हम भूल जाते हैं कि प्रकृति पानी हमें एक चक्र के रूप में प्रदान करती है, और इस चक्रको गतिमान बनाए रखना हमारी महती जिम्मेदारी है।

रजत कपूर की हॉरर सीरीज खौफ का ट्रेलर

रजत कपूर, मोनिका पंवार स्टारर अपकमिंग हॉरर सीरीज खौफ का ट्रेलर निर्माताओं ने जारी कर दिया है। नाम की तरह ट्रेलर भी सीरीज के काफी डरावना होने की ओर इशारा करता है जहां मोनिका पंवार के कमरा नंबर 333 में खौफ ही खौफ देखने को मिला है।

2 मिनट 17 सेकंड के ट्रेलर में दिखता है कि मधु आंखों में सपने लेकर नए शहर में रहने के लिए आती है और काफी दिक्कतों के बाद उसे एक हॉस्टल का एक ऐसा कमरा रहने के लिए मिलता है, जो रहस्यों और डर से भरा है। कमरा नंबर 333 में वह ठहरती है। लेकिन वह इस जगह के इतिहास और छिपे हुए रहस्यों से अनजान है। रोंगटे खड़े कर देने वाले ट्रेलर में खौफ की दास्तान दिखाने की निर्माताओं ने भरसक कोशिश की है और वह सफल भी रहे हैं। खौफ में अभिनेत्री मोनिका पंवार मुख्य किरदार 'मधूझ् के

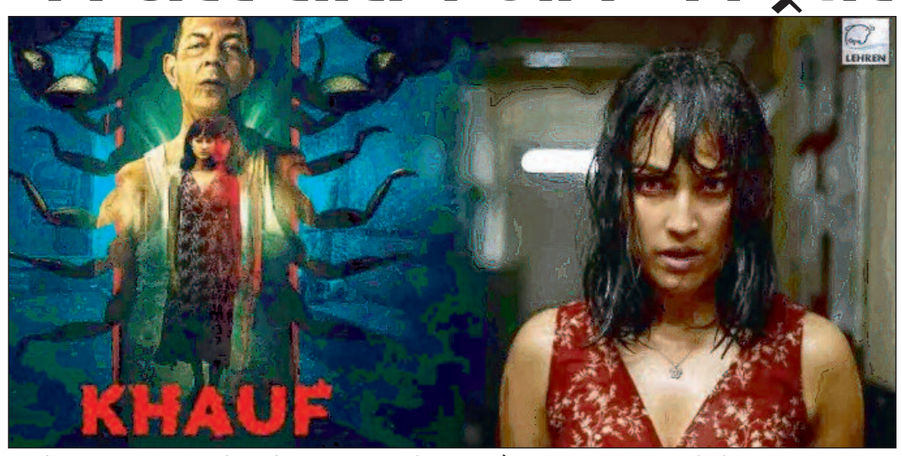

रूप में नजर आएंगी। पंवार ने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया, मेरी भूमिका दिलचस्प है, जिसे निभाना मेरे लिए भावनाओं से भरे उतार–चढ़ाव के साथ चुनौतीपूर्ण रहा। मैचबॉक्स शॉट्स ने खौफ की डरावनी दुनिया को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आठ एपिसोड में बनी इस सीरीज में मोनिका पंवार, रजत कपूर के साथ चुम दरांग, अभिषेक चौहान, गीतांजलि कुलकर्णी और शिल्पा शुक्ला भी अहम भूमिकाओं में हैं।

पंजाब किंग्स को बीच सीजन लगा झटका

नई दिल्ली। शानदार फॉर्म में चल रही पंजाब किंग्स को बीच सीजन में बड़ा झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। पंजाब के कोच जेम्स होप्स ने सोमवार को इस बात की पुष्टि की। पंजाब को मंगलवार को अपने घर में कोलकाता नाइट राइडर्स का सामना करना है।फर्ग्यूसन को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में चोट लग गई थी। वह पूरा मैच नहीं खेल सके थे और बीच में ही बाहर चले गए थे। उन्होंने इस मैच में सिर्फ दो गेंदें फेंकी थीं। कोलकाता के खिलाफ मैच से पहले सोमवार को होप्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,"लॉकी फर्ग्यूसन अनिश्चितकाल के लिए बाहर हो गए हैं। सीजन के अंत में उनकी हमारी टीम में वापसी के बहुत ही कम चासेंस हैं। मुझे लगता है कि उनको काफी गहरी चोट लगी है।"

आईपीएल में धीमी ओवर रेट के लिए इस टीम के कप्तान पर लगा 12 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली , आईपीएल 2025 के एक मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ धीमे ओवर रेट के कारण दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। यह मुकाबला अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया, जहां दिल्ली कैपिटल्स को रोमांचक मुकाबले में 12 रनों से हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार, अक्षर पटेल को आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया।

इस अनुच्छेद के अंतर्गत धीमी ओवर गति बनाए रखने पर पहली बार अपराध के लिए कप्तान पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाता है। आईपीएल के बयान में कहा गया, चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अंतर्गत उनकी टीम का इस सत्र में पहला अपराध था, इसलिए पटेल पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। अक्षर पटेल इस सत्र में धीमी ओवर गति के लिए दंडित होने वाले एकमात्र कप्तान नहीं हैं। मुंबई इंडियंस के हार्दिक पांड्या, लखनऊ सुपरजायंट्स के ऋषभ पंत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के रजत पाटीदार पर भी इसी तरह के अपराध के लिए जुर्माना लगाया जा चुका है। मैच की बात करें तो मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 205/5 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स 19 ओवर में 193 रन पर ऑलआउट हो गई।

चिरंजीवी के फैंस को मिला तोहफा, विश्वंभरा का पहला गाना रामा रामा जारी

चिरंजीवी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म विश्वंभरा को लेकर भी सुर्खियों में हैं। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म का टीजर पहले ही जारी हो चुका है, जिसे दर्शकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली थी। मेगास्टार चिरंजीवी की विश्वंभरा अब पोस्ट–प्रोडक्शन स्टेज में है। वहीं, अब दर्शकों का उत्साह बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना जारी कर दिया है।

दरअसल, विश्वंभरा अपने तय समय से पीछे चल रही है। टीजर को दर्शकों की नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी, जिसके बाद से टीम ने वीएफएक्स पर दोबारा काम काम करना शुरू किया। हालांकि, अब दर्शकों को खुश करने के लिए फिल्म का पहला गाना रामा रामा आज हनुमान जयंती के विशेष अवसर पर जारी किया गया है।

अजय देवगन की रेड 2 का पहला गाना नशा जारी

काफी समय से अजय देवगन अपनी आगामी फिल्म रेड 2 को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान राज कुमार गुप्ता ने संभाली है।इस फिल्म में अजय की जोड़ी पहली बार वाणी कपूर के साथ बनी है, वहीं रितेश देशमुख भी फिल्म का हिस्सा हैं।फिल्म का ट्रेलर पहले ही सामने आ चुका है, वहीं अब निर्माताओं ने रेड 2 का पहला गाना नशा जारी कर दिया है। गाने में तमन्ना भाटिया जबरदस्त डांस करती दिख रही हैं। नशा गाने को जैस्मिन सैंडलास, सचेत टंडन, दिव्या कुमार और सुमोंथो मुखर्जी ने मिलकर गाया है, वहीं इसके बोल जानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 1 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रेड 2 साल 2018 में आई फिल्म रेड का सीक्वल है। इसमें 1980 के दशक में सरदार इंदर सिंह के घर पर पड़े आईटी विभाग की छापेमारी की सच्ची कहानी दिखाई गई थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर 153 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

आईपीएल 2025 : कैसे गेंद बदलने के नियम ने एमआई को रोमांचक जीत दिलाने में मदद की

नई दिल्ली ,आईपीएल 2025 के लिए एक नया नियम आया है। अब शाम के मैच में जो टीम दूसरी पारी में गेंदबाजी कर रही होती है, वह 11वें ओवर के बाद कभी भी गीली गेंद बदल सकती है, जिससे ओस का असर कम किया जा सके। इस नियम को गेंदबाजों के लिए फायदेमंद बताया गया है, खासकर उन टीमों के लिए जो स्कोर बचाने की कोशिश करती हैं। रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआई) ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 205 रन बनाए। मैच के दौरान जैसे ही जसप्रीत बुमराह ने अक्षर पटेल

का विकेट लिया, एमआई ने गेंद बदलने का फैसला किया। मैदान पर ओस को हटाने के लिए सुपर सॉपर्स भी इस्तेमाल किए जा रहे थे ताकि गेंदबाजों को परेशानी न हो। गेंद बदलने के बाद कर्ण शर्मा और मिशेल सैंटनर ने गेंद को बेहतर तरीके से ग्रिप किया और पिच से उछाल, टर्न और अच्छी पकड़ भी मिलने लगी। इससे बल्लेबाजों के लिए ऊंचे शॉट लगाना मुश्किल हो गया। कर्ण ने पहले स्टब्स को लॉन्ग ऑफ पर कैच करवाया और फिर केएल राहुल को खुद की गेंद पर कैच आउट कर दिया। इन विकेटों के बाद दिल्ली कैपिटल्स मुश्किल में आ गई थी। उन्हें 27 गेंदों में 46 रन चाहिए थे और सिर्फ 4 विकेट बचे थे। फिर ट्रेंट बोल्ट ने 17वें ओवर में सिर्फ तीन रन दिए और पांच यॉर्कर फेंके।

एक नजर

कभी भुलाया नहीं जा सकता बाबा साहेब का योगदान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अनुसूचित जाति जनजाति शिक्षक एसोसिएशन की ओर से सोमवार को बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर की 134वीं जयंती पर पदमपुर सुखरौ स्थित मंडलीय कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान वक्ताओं ने देश के लिए बाबा साहेब के योगदान को अतुलनीय बताया। इस अवसर पर एसोसिएशन के मंडलीय अध्यक्ष अनूप पाठक ने कहा कि बाबा साहेब के तीन मूल मंत्र शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघष करो, सर्वसमाज व अपवंचित वर्ग के लिए वरदान हैं। उनके द्वारा बनाए गए संविधान के कारण ही देश आज विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। कहा कि हमें बाबा साहेब के बताए मार्ग को आत्मसात करना चाहिए। इस मौके पर शासन-प्रशासन से तहसील परिसर में बाबा साहेब की आदमकद मूर्ति स्थापित करने की मांग की गई। कार्यक्रम में जयदेव मानव, शैलेंद्र आर्य, धर्मेंद्र आर्य, बबीता पाठक, संजीव कुमार, हरीश चंद्र, भगत सिंह, मनोज कुमार, किशन राठी और रोशनलाल सहित एसोसिएशन से जुड़े समस्त शिक्षक मौजूद रहे।

क्लस्ट आधारित खेती और सहकारी प्रयास से मजबूत होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत ने सोमवार को खिर्सू ब्लॉक मुख्यालय में उद्यान, कृषि एवं सहकारिता विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक ली। कहा कि क्लस्टर आधारित खेती और सहकारी प्रयासों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है।

सोमवार को आयोजित बैठक में कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसानों और काश्तकारों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि करना है। इसके लिए जरूरी है कि अधिक से अधिक किसानों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने अफसरों को क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य करते हुए योजनाओं की जानकारी आम किसानों तक पहुंचाते हुए उन्हें लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अफसरों को क्लस्टर भूमि विकास योजनाओं को समयबद्ध तरीके से लागू करने और इसकी प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत के साथ ही संबंधित विभागों के अफसर मौजूद रहे।

डॉ. अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई

रुद्रप्रयाग : जीवन निर्माण एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित डॉ. जैक्सवीन नेशनल स्कूल गुप्तकाशी में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के संस्थापक लखपत सिंह राणा एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा डॉ. आंबेडकर के चित्र के सामने पुष्प अर्पित कर किया गया। लखपत राणा ने कहा कि किस तरह से समानता के लिए कार्य कर उन्होंने समाज में एक महान मुकाम प्राप्त किया और भारत के संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विद्यालय के उप प्रधानाचार्य आरके गोस्वामी, शिक्षक प्रदीप बिष्ट, मनीष डिमरी, पंकज पंवार, राहुल राणा, दीपक रावत, नवीन एवं शिक्षिका ज्योति असवाल ने भी विचार रखे। इस मौके पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपने विचारों से डॉ. अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला। भाषण प्रतियोगिता में कार्तिक भट्ट एवं कृतिका प्रथम, अंशिका एवं अनुज गोस्वामी द्वितीय व आदित्य, ख्याति एवं आयुष्मान भट्ट तृतीय स्थान पर रहे। इस मौके पर विद्यालय की शिक्षिकाएं शीलावती धनाई, पूजा बिष्ट, कविता भट्ट, दिव्या त्रिवेदी, संगीता दानू, संगीता जमलोकी, सुलेखा चौहान, वीणा चौहान, ज्योति देवशाली, तृप्ति सेमवाल एवं कविता गोस्वामी मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के एक्टिविटी प्रमुख बिनोद गैरोला ने किया।

वैसाखी पर्व पर ध्यानी मिलन की रही धूम

नई टिहरी : बैसाखी के पर्व पर जनपद के कटखेत ग्राम पंचायत में ध्यानी मिलन कार्यक्रम का आयोजन धूमधाम से हुआ। इस मौके पर समस्त ग्राम वासियों ने बुजुर्ग से लेकर गांव की सभी युवा ध्यानियों को मायके में आमंत्रित कर उनका स्वागत किया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य बंस्यूल एडवोकेट जयवीर रावत ने कहा कि ध्यानी मिलन कार्यक्रम में यहां पर मिसाल कायम की है। जिसे आगे भी तरह से प्रमोट किये जाने की आवश्यकता है। (एजेंसी)

शहर में लगाई जाएगी डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा : महापौर

संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर जंयती संयुक्त समारोह समिति की ओर से आयोजित किया गया कार्यक्रम

आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर शैलेंद्र सिंह रावत का स्वागत करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर जयंती संयुक्त समारोह समिति की ओर से संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। इस दौरान मुख्य अतिथि महापौर शैलेंद्र रावत ने शहर में बाबा साहेब की भव्य प्रतिमा स्थापित करवाने की बात कही। कहा कि इसके लिए जल्द ही योजना तैयार की जाएगी।

सोमवार को प्रेक्षागृह में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने किया। मुख्य वक्ता जगदीश चंद्र ने संविधान के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि भारत की व्यवस्थाएं संविधान से ही चलती हैं। संविधान लोगों के आधारभूत व्यवस्थाओं का आधार है। बाबा साहेब को सामाजिक क्रांति का अग्रदूत बताते हुए कहा कि संविधान का निर्माण करते समय बाबा साहेब ने समाज के कमजोर, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक सहित प्रत्येक व्यक्ति के लिए समाज में स्थान नियत किया है। कहा कि संविधान में आरक्षण प्राप्त करने का अधिकार केवल वंचित वर्ग को ही है। आर्थिक आधार कभी भी आरक्षण प्राप्त करने का आधार नहीं हो सकता है। महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने कहा कि डा. आंबेडकर बहुआयामी प्रतिभा के धनी व्यक्ति होने के साथ ही कुशल प्रशासक व महान चिंतक रहे। उन्होंने नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत डा. आंबेडकर की आदमकद मूर्ति लगाने का आश्वासन दिया। कहा कि नगर निगम की बोर्ड बैठक में इस आशय का प्रस्ताव लाया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल ने कहा कि बाबा साहेब के सपनों को धरातल पर उतारने का वक्त आ चुका है। उन्होंने बाबा साहेब के आदर्शों को आत्मसात करने के साथ ही उनके साहित्य को पढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम संयोजक विकास आर्य ने तहसील परिसर में बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा स्थापित करने की मांग उठाई। सह संयोजक गीता सिंह ने डा. अंबेडकर की ओर से महिलाओं के हित में किए गए कार्यों का जिक्र किया। कहा कि डा. अंबेडकर ने महिलाओं को समानता का अधिकार दिया। इस मौके पर ओम प्रकाश कोटला, शूरबीर खेतवाल, गीता सिंह, आशीष प्रकाश, प्रमोद कुमार चौधरी, आशाराम, जगदीश राठी सहित कई अन्य मौजूद रहे।

गांव में बाघ की धमक, दहशत में ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रखंड नैनीडांडा के अंतर्गत कार्बेट नेशनल पार्क से सटे बखरोटी में बाघ की धमक बनी हुई है। आए दिन बाघ ग्रामीणों के मवेशियों को अपना निवाला बना रहा है। आक्रोशित ग्रामीणों ने वन विभाग से बाघ के आतंक से निजात दिलवाने की मांग की है। ग्राम पंचायत बखरोटी का अधिकांश भाग कार्बेट नेशनल पार्क से सटा हुआ है। ऐसे में शाम ढलते ही बाघ आबादी क्षेत्र में पहुंच जाता है। कुछ दिन पूर्व बाघ ने शाकम्बरी देवी व गौला निवासी त्रिलोक सिंह की गाय को अपना निवाला बना दिया था। लगातार मवेशियों को निवाला बनाए जाने से काश्तकारों के समक्ष आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। काश्तकार अपने मवेशियों को जंगल में चराने के लिए ले जाने से भी घबरा रहे हैं। ग्राम पंचायत प्रधान सुरेंद्र सिंह रावत का कहना है कि बाघ से निजात दिलवाने के लिए कई बार वन विभाग से शिकायत कर चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। गांव में रहने वाले अधिकांश परिवार दूध बेचकर अपने परिवार की आर्थिकी चलाते हैं। मवेशियों को निवाला बनाने से काश्तकारों के समक्ष समस्या खड़ी हो गई है। बताना बेहद जरूरी है कि एक माह पूर्व बाघ ने ग्रामसभा बखरोटी के तोकग्राम जमूण में एक महिला को निवाला बना दिया था। इसके बाद से लगातार क्षेत्र में बाघ सक्रिय है। जिससे क्षेत्रीय ग्रामीण दहशत में हैं।

बैसाखी पर्व पर गौरादेवी मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

श्रीनगर गढ़वाल : बैसाखी पर्व पर सोमवार को देवलगढ़ स्थित गौरादेवी मंदिर परिसर में आयोजित बीखोत मेले में भक्तों की भीड़ उमड़ी। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मां गौरा देवी मंदिर में पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। कटलस्यूं और चलनस्यूं पट्टी के दर्जनों गांव के ग्रामीणों के साथ अन्य क्षेत्रों से भी लोग यहां दर्शन के लिए पहुंचे। देवलगढ़ मंदिर में क्षेत्र की ईष्ट देवी राजराजेश्वरी की पूजा-अर्चना के साथ मेले का शुभारंभ किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर में मॉ राजराजेश्वरी की डोली को झुलाया गया। देवलगढ़ मंदिर के पुजारी कुंजिका प्रसाद उनियाल ने बताया कि मेले में बुघाणी व सुमाड़ी गांव का विशेष महत्व है। पूरे साल भर इस मेले का लोगों को बेसब्री से इंतजार रहता है। मेले का आयोजन बुघाणी गांव (ससुराल पक्ष) द्वारा कराया जाता है। जब सुमाड़ी गांव (मायका पक्ष) के ग्रामीण देवलगढ पहुंचते हैं तब राजराजेश्वरी को झूला झुलाया जाता हैं। देवलगढ़ में प्रत्येक वर्ष बैसाखी मेले का आयोजन बड़े स्तर पर किया जाता है। ग्रामवासी माँ के भजनों के साथ सुमाड़ी से पैदल यात्रा करते हुए बुघाणी पहुचंकर माँ गौरा के मंदिर मे विश्राम करते हैं और पुनः जत्थे के साथ माँ गौरा के मंदिर देवलगढ के लिए प्रस्थान करते हैं। इस दौरान गाँव के सभी बच्चे-बूढ़े माता के भजनों को गाते हुए चलते हैं, जिससे वातावरण माँ गौरा के जै कारों से गुंजायमान रहता है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस पर्व को ध्याणी मेले के नाम से भी जाना जाता है। गाँव-गाँव से ढोल दमाऊँ के साथ जत्थे माँ गौरा के प्रांगण में पहुँचते है। बैसाखी के दिन यहाँ बड़े मेला का आयोजन होता है। इस दिन गौरा देवी को हिंडोला पर मंदिर से बाहर लाया जाता है और मां गौरा के प्रांगण में बुघाणी ग्राम के लोगों द्वारा जयकारों के साथ हिंडोला (झूला) झुलाया जाता है।

कांग्रेस ने डा. भीमराव अंबेडकर के योगदान को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर जिला कांग्रेस की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कांग्रेसियों ने डा. भीमराव अंबेडकर के बताए मार्ग पर चलने का भी संकल्प लिया। जिलाध्यक्ष विनोद डबराल के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि डा. अंबेडकर हमेशा से ही असमानता, शोषण व भेदभाव के खिलाफ संघर्ष करते रहे। इस मौके पर रंजना रावत, बलबीर सिंह रावत, सतेंद्र बिष्ट, प्रवेश रावत, राजा आर्य, वीरेंद्र रावत, गोपाल गुसांई मौजूद रहे। उधर, महानगर कांग्रेस कार्यालय में भी डा. अंबेडकर की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कहा कि सामाजिक समरसता, न्याय व बंधुत्व पर आधारित संविधान दिया है, जो आज भी हमारी लोकतंत्र व समानता का संदेश देती है। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष संजय मित्तल, प्रवीण रावत, गणेश नेगी, साबर सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

रैली निकालकर आग से बचाव के प्रति किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि।

अग्निकांड की घटनाओं में शहीद हुए कर्मियों को श्रद्धांजलि देते अधिकारी

कोटद्वार : सोमवार से अग्निशमन सेवा सप्ताह की शुरुआत हो चुकी है। पहले दिन दमकल विभाग ने अग्निकांड की घटनाओं के दौरान शहीद हुए कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही शहर में रैली निकालकर लोगों को आग से बचाव के प्रति जागरुक किया। टीम ने राहगीरों को अग्नि सुरक्षा से संबंधित प्रचार सामग्री भी बांटी। साथ ही कहीं भी आग की घटना होने पर इसकी सूचना तुरंत अग्निशमन विभाग को देने की अपील की।

बीईएल रोड स्थित दमकल कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह व अन्य अधिकारियों ने अग्निकांड की घटनाओं के दौरान शहीद हुए कर्मियों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के दौरान दमकल कर्मियों ने आमजन को जानकारी दी कि गर्मी का मौसम शुरू होते ही आग लगने की घटनाएं बढ़ने लगती है। अग्निशमन अधिकारी रमेश चंद्र गौतम ने बताया कि आमजन को आग से होने वाली घटनाओं के बारे में जागरूक करने के लिए अग्निशमन विभाग की ओर से सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। बताया कि अभियान के तहत क्षेत्रों में आग से बचाव के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाता है।

साथ ही स्कूलों व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता संबंधी कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कहा कि अभियान के तहत औद्योगिक संस्थानों व अन्य प्रतिष्ठानों में जाकर अग्निशमन यंत्रों की भी जांच की जाएगी। साथ ही स्कूली बच्चों के साथ मिलकर भी जगह-जगह जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे।

दुष्कर्म के झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देकर ठगी करने वाले गिरफ्तार

अश्लील फोटो खींचकर वाहन चालकों व अन्य लोगों से ठगते थे रकम

कोटद्वार कोतवाली में पुलिस हिरासत में युवत व युवती

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लोगों का अश्लील वीडियों बनाकर उनसे रकम ठगने वाले एक युवक व युवती को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक व युवती कई लोगों से ठगी कर चुके हैं। मामले में 13 अप्रैल को कोटद्वार निवासी एक व्यक्ति की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई थी। जिसमें उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व उनकी एक युवती से मुलाकात हुई थी। एक दिन युवती ने उन्हें मिलने के लिए बुलाया और उनके अश्लील फोटो खींच लिए। बताया कि युवती व उसका पुरुष मित्र झूठे मुकदमों में फंसाने के नाम पर उनसे अवैध वसूली कर रहे हैं। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी बिजनौर नजीबाबाद निवासी नवजोत सिंह व ग्राम प्रेमपुरी निवासी निधि शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है।

यह था ठगी का तरीका

पूछताछ में आरोपी निधि शर्मा ने बताया कि वह कार चालकों से लिफ्ट मांगती थी और बातों-बातों में चालक का नंबर लेकर उन्हें अपने प्रेम जाल में फंसा लेती थी। जिसके बाद वह चालक को मिलने के लिए किसी होटल या अन्य स्थान पर बुलाती थी। मौका देखकर वह व्यक्ति के अश्लील फोटों खींच लेती थी। जिसके बाद वह और उसका पुरुष मित्र पैसे वसूलने का काम करते थे।

नलई गांव में मनाया फूल संक्रांति पर्व

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कल्जीखाल ब्लॉक के ग्राम नलई में घंडियाल और भूमियाल देवता के मंदिर में जाकर फूल चढ़ाने के साथ पर्व की शुरुआत की गई। इसके बाद गांव के सभी घरों की देहरियों में जाकर फूल चढ़ाए गए। इस मौके पर और बच्चों के उत्साह बर्धन के लिए बच्चों को तोहफे भी भेंट किये। समलौण आंदोलन के ब्लॉक संयोजक पवन पटवाल ने गांव के सभी बच्चों के साथ फूल संक्रांति (फूलदेई) का पर्व मनाया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को समलौण की ओर से फूल के पौधे वितरण किए। उन्होंने वन संरक्षण, संवर्धन और पेड़ पौधे लगाने के लिए भी जागरूक किया। उन्होंने कहा कि गांव में लगातार पलायन होने के कारण बच्चों की संख्या भी धीरे-धीरे कम होती जा रही है, इससे यह पर्व विलुप्त की कगार पर आ चुका है, हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे बच्चे इस परंपरा को जीवित रख सके। इस दौरान पर्व की महता पर विस्तार से बच्चों को जानकारी दी गई।

शिविर में महिलाओं ने सीखें आत्मरक्षा के गुर

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्र सेविका विकास समिति द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर श्रीनगर परिसर में आयोजित तीन दिवसीय महिला प्रारंभिक शिक्षा वर्ग का सोमवार को समापन हो गया है। प्रशिक्षण वर्ग शिविर में शामिल बालिकाओं और महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए। तीन दिवसीय महिला प्रारंभिक शिक्षा वर्ग में कुल 55 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। यह वर्ग 12 अप्रैल को प्रारंभ हुआ था, जिसमें कुल 55 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की सर्व व्यवस्था प्रमुख कृष्णा भट्ट ने बताया कि इस प्रशिक्षण वर्ग में प्रतिभागियों को व्यायाम, योग, दंड योग, नियुद्ध, स्व-सुरक्षा के कौशल एवं विभिन्न बौद्धिक सत्रों के माध्यम से शारीरिक, मानसिक और आत्मिक विकास से जुड़े विविध विषयों का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने सभी सहभागी महिलाओं और सहयोगियों का धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। समापन अवसर पर गढ़वाल विश्वविद्यालय की डा. कविता भट्ट ने भारत की पृष्ठभूमि में महिलाओं की भूमिका विषय पर बौद्धिक सत्र का संचालन किया। उन्होंने भारतीय समाज में महिलाओं की ऐतिहासिक और वर्तमान भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व करने की क्षमता रखती हैं और यह प्रशिक्षण वर्ग इसी का प्रमाण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता देवप्रयाग जिले की जिला कार्यवाहिका डा. रक्षा रतूड़ी ने की। मौके पर गंगा आरती समिति के अध्यक्ष प्रेम बल्लभ नैथानी, विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य मुकेश मैठाणी, मोहित, शुभम प्रभाकर, गोविंद, किरन भट्ट, आरती थपलियाल, आरती राणा, मीनाक्षी गैरोला आदि शामिल रही। (एजेंसी)

शहीद फायर सर्विस जवानों को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : अग्निशमन सेवा सप्ताह कार्यक्रम के तहत फायर सर्विस के वाहनों, कार्मिकों की रैली को प्रचार-प्रसार के लिए हरी झड़ी दिखाकर रवाना किया गया।

इस मौके पर आगजनी की घटनाओं में अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति देकर शहीद होने वाले दिवंगत फायर सर्विस जवानों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

सोमवार को पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक संचार अनूप काला ने कहा कि 20 अप्रैल तक अग्निशमन सप्ताह के दौरान आगजनी की घटनाओं की रोकथाम, बचाव के संबंध में फायर सर्विस कार्मिकों को व्यासायिक, औद्योगिक संस्थानों, फैक्ट्रियों, होटलों, अस्पतालों, स्कूलों आदि में जाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। कहा कि फायर सर्विस को किसी भी प्रकार की आगजनी की घटना की सूचना मिलते ही अविलंब फायर उपकरणों के घटना स्थल पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए है। एएसपी ने बताया कि इस दौरान ग्राम प्रधानों से समन्वय स्थापित कर ग्रामीण क्षेत्रों में चौपाल लगाकर ग्रामीणों को वनाग्नि की घटनाओं की रोकथाम के लिए भी जागरूक किया जाएगा।

ग्रामीण की संदिग्ध हालात में मौत

नई टिहरी : दिगोठी गांव में एक ग्रामीण की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने मामले में चंबा थाना पुलिस को तहरीर दी है। जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। चंबा थानाध्यक्ष लखपत सिंह बुटोला ने बताया कि दस अप्रैल को दिगोठी गांव निवासी 58 वर्षीय रणवीर सिंह नेगी अपनी छानी में अकेले थे। उनकी पत्नी कमली देवी खेतों में काम करने के लिए गांव गई थी। दस अप्रैल की सुबह जब ग्रामीण रणवीर सिंह की छानी में पहुंचे तो वहां उनका शव पड़ा था और उनके सिर पर चोट लगी थी। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया है। मृतक रणवीर सिंह नेगी और उनकी पत्नी कमली देवी गांव में रहते थे।

बिजली के मीटर में लगी आग, हादसा टला

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत गाड़ीघाट स्थित भवन में लगी आग पर काबू पाते दमकल कर्मी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत गाड़ीघाट तिराहे के समीप एक घर में बिजली के मीटर में आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने आग पर काबू पाया। भवन के आसपास कई अन्य घर भी थे जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया।

सोमवार दोपहर भवन स्वामी कुसुम बुटोला अपने घर के कमरे में थी। इसी दौरान उन्हें सीढ़ियों के समीप से धुंआ निकलते हुए दिखाई दिया। जैसे ही वह दरवाजा खोलकर बाहर निकलती तो सीढ़ी से सटी दीवार में लगे विद्युत एमसीबी बोर्ड पर आग की लपटें निकल रही थी।

भवन से बाहर निकलते हुए उन्होंने घटना की जानकारी दमकल विभाग को दी। सूचना पर पहुंचे दमकल विभाग ने विद्युत लाइन को काटा और उसके बाद आग पर काबू पाया। यदि समय पर आग को काबू नहीं किया जाता तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। दरअसल, जिस भवन में आग लगी हुई थी, उसके आसपास भी कई भवन बने हुए हैं। ऐसे में एक बड़ा हादसा होने से बच गया।

राजीव गांधी नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में पावनी ने किया जिले में टॉप

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जयहरीखाल ब्लॉक के राजकीय प्राथमिक विद्यालय मेरूड़ा की कक्षा 5 की छात्रा पावनी ने राजीव गांधी नवोदय विद्यालय-2025 की प्रवेश परीक्षा में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। छात्रा की सफलता पर खंड शिक्षा अधिकारी सहित विद्यालय के शिक्षकों ने खुशी व्यक्त करते हुए छात्रा को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। पावनी ने जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा-2025 में आठवीं रैंक हासिल करते हुए एक और उपलब्धि हासिल की है।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजीव थपलियाल ने बताया कि पावनी शिक्षा सत्र 2024-25 में कक्षा 5 की छात्रा रही है। छात्रा ने 09 मार्च 2025 को कक्षा 6 में प्रवेश हेतु आयोजित राजीव गांधी नवोदय विद्यालय-2025 की प्रवेश परीक्षा दी। प्रवेश परीक्षा में छात्रा ने सर्वाधिक 88 अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि छात्रा विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन कर चुकी है। पावनी की इस शानदार सफलता पर खंड शिक्षा अधिकारी जयहरीखाल अमित चंद, प्रभारी बी.आर.सी. मोहन सिंह गुसाईं, संकुल समन्वयक मठाली आरती रावत, विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजीव थपलियाल, सहायक अध्यापिका ज्योति बौंठियाल, ग्राम सभा मेरुड़ा के ग्राम प्रधान दीनदयाल जदली, सामाजिक कार्यकर्ता अनुसूया प्रसाद जदली, सुनीता देवी, अनीता देवी, सुषमा देवी, ब्रह्मानंद जदली, राजेंद्र भारद्वाज, दीपा रानी, निधि नौटियाल, रविन्द्र कुमार, मंजू कपूर, नेहा मोहन, दीपक जदली, सतेश्वरी देवी, देवेंद्र सिलोनी, अंजू देवी, रेनू देवी, शाकम्बरी देवी, लक्ष्मी ध्यानी, नत्थी प्रसाद जदली, सरोजनी देवी, लक्ष्मी देवी, महेंद्र जदली, रिद्धि भट्ट, जयश्री कंडवाल, सीमा भारद्वाज आदि ने खुशी व्यक्त की। ग्राम प्रधान मेरुड़ा दीनदयाल जदली ने पावनी की इस सफलता का श्रेय छात्रा की मेहनत, प्रधानाध्यापक राजीव थपलियाल, सहायक अध्यापिका ज्योति बौंठियाल का कुशल मार्गदर्शन, माता-पिता राजेंद्र प्रसाद, पिंकी देवी तथा दादी सातेश्वरी देवी की बच्चों की परवरिश तथा शिक्षा के प्रति सजगता को दिया।

22 को होगी हनुमान ध्वज की स्थापना

नई टिहरी : रामलीला मंचन को लेकर बौराड़ी स्टेडियम स्थित रामलीला मंच पर बैठक की गई। जिसमें तय किया गया कि 22 अप्रैल को पूरे शहर में झांकियां निकालकर बौराड़ी स्थित रामलीला मंच पर हनुमान ध्वज स्थापित किया जाएगा और 23 मई से रामलीला का मंचन शुरू होगा। झांकी में शामिल होने के लिए शहर में स्थित तमाम सत्संग, विद्यालय एवं आम नागरिकों को आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में मंच के अध्यक्ष देवेंद्र नौडियाल, उपाध्यक्ष भगवान चन्द रमोला, जसोदा नेगी, महासचिव अमित पंत, पूर्व अध्यक्ष महावीर उनियाल, एडवोकेट महावीर प्रसाद उनियाल, महिपाल सिंह नेगी, जगदीश सिंह ,सचिव मानवेन्द्र रावत (सभासद), आनंद प्रकाश घड्याल, वीरेंद्र प्रसाद खंडूड़ी आदि उपस्थित रहे। (एजेंसी)

फायर सर्विस ने मनाया अग्निशमन सेवा दिवस

रुद्रप्रयाग : जनपद स्थित फायर स्टेशन रतूडा में अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत पुलिस कर्मियों ने मुम्बई बंदरगाह पर घटित भीषण अग्निकांड में शहीद हुए 66 वीर अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को नमन किया।

वहीं अग्निशमन सेवा सप्ताह रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। फायर स्टेशन रतूड़ा में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए पुलिस उपाधीक्षक रविकांत सेमवाल ने कहा कि अग्निशमन सेवा दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह हमें अपने कर्तव्यों और समाज के प्रति जिम्मेदारी का बोध कराता है। यह दिन हमें याद दिलाता है उन जांबाज फायरमैन की शहादत का, जिन्होंने मानवता की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस देशभर में 14 अप्रैल को मनाया जाता है। 1944 में इसी दिन मुम्बई के विक्टोरिया डॉक पर एक मालवाहक जहाज में आग लगने से हुए भीषण विस्फोट में 66 अग्निशमन कर्मी वीरगति को प्राप्त हुए थे। इस अवसर पर अग्निशमन सेवा सप्ताह की शुरुआत करते हुए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। आगामी सप्ताह में स्कूलों, औद्योगिक इकाइयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर अग्नि सुरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण एवं डेमो आयोजित किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

पुरानी एसीपी के साथ कैशलेस ओपीडी का जल्द मिले लाभ

देहरादून। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने पुरानी एसीपी के साथ गोल्डन कार्ड में कैशलेस ओपीडी का जल्द लाभ देने की मांग की। मुख्य सचिव को भेजे पत्र में पूर्व में दिए आश्वासनों को जल्द पूरा किए जाने पर जोर दिया। परिषद अध्यक्ष अरुण पांडे ने कहा कि एसीपी के तहत 10, 16 और 26 वर्ष की सेवा पर पदोन्नत वेतनमान का लाभ दिया जाए। जिन कर्मचारियों को सेवा काल में तीन पदोन्नति का लाभ नहीं मिल पा रहा है, उनका संवर्गवार आंकड़ा वित्त विभाग के पास पहुंच गया है। जल्द सकारात्मक निर्णय लिया जाए। वेतन विसंगति समिति की रिपोर्ट को भी जल्द से जल्द सार्वजनिक किया जाए। महामंत्री शक्ति प्रसाद भट्ट ने कहा कि गोल्डन कार्ड में ओपीडी में जनऔषधि केन्द्रों से कैशलैश दवा के साथ ही सुपर स्पेशलिस्ट पंजीकृत अस्पतालों में कैशलेस जांच की सुविधा भी दी जाए। चिकित्सा प्रतिपूर्ति से जुड़े विषयों का निस्तारण किया जाए। निगम, निकायों के कर्मचारियों को भी राजकीय कर्मियों के समान लाभ उपलब्ध कराए जाएं। आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवाओं को सुरक्षित रखा जाए। वर्कचार्ज कर्मियों को कोर्ट के निर्देशानुसार पेंशन, ग्रेच्युटी का लाभ दिया जाए। राज्य कर विभाग में निचले स्तर के पदों को बढ़ाया जाए।

संस्कृति मंत्री ने गढ़वाली फिल्म के निर्माताओं को किया सम्मानित

देहरादून। बैसाखी पर मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा हरिद्वार में हुए सद्भावना सम्मेलन में संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने गढ़वाली फीचर फिल्म 'द्वी होला जब साथ के निर्माताओं को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। सतपाल महाराज ने हाल ही में दून के एक मॉल में प्रदर्शित इस फिल्म को देखा और फिल्म में दिखा गए प्यार, दोस्ती, पारिवारिक बंधन, देशभक्ति और बलिदान के भावपूर्ण चित्रण की प्रशंसा की। उन्होंने फिल्म की विषय–वस्तु और शिल्प कौशल की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान बताया। निर्माता, निर्देशक और लेखक रवि दीप के साथ ही टीम के सदस्य, क्रिएटिव डायरेक्टर अमित दीक्षित, संवाद लेखिका शोभना रावत, अभिनेता रमेश रावत, प्रचार प्रबंधक राहुल शर्मा को उनके प्रयासों के लिए मंत्री ने सम्मानित किया गया।

शहीद अग्निशमन कर्मियों को दी श्रद्धांजलि

काशीपुर। फायर सर्विस मुख्यालय के आदेश पर फायर स्टेशन में अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ हुआ। इस दौरान शहीदों को याद कर दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि दी गई। सोमवार को बाजपुर रोड स्थित फायर स्टेशन पर अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ किया गया। जहां प्रभारी अग्निशमन अधिकारी लीडिंग फायरमैन रामकुमार द्वारा परेड को फालीन कराया गया। जिसके बाद सीओ दीपक कुमार ने शोक परेड सलामी ली। उन्होंने शहीद अग्निशमन कर्मचारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन धारण कराया। इस दौरान शहीद स्मृति चिह्न पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। सीओ ने बताया कि आज के दिन 14 अप्रैल 1944 को मुंबई के बंदरगाह में जहाज में भीषण आग लग गई थी। जिसको बुझाने के दौरान 66 अग्निशमन अधिकारी और कर्मचारियों की शहादत हो गई थी। उन्हीं की याद में देशभर में अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक मनाया जाता है। इसमें अग्नि से बचाव के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम, जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया जाता है। सीओ ने जागरुकता के लिये अग्निशमन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । यहां लीडिंग फायरमैन चंदन सिंह बिष्ट, चालक सुमित पवार, पंकज सिंह, फायरमैन सोमवीर पवार, अर्जुन सिंह आदि मौजूद रहे।

बाजपुर में बाबा साहेब की जयंती पर निकाली शोभायात्रा

काशीपुर। भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती पर सोमवार को नगर में अनेकों कार्यक्रम आयोजित हुए। नगर पालिका स्थित आंबेडकर पार्क में कार्यक्रम का आयोजन हुआ जहां पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। जिसके बाद डॉ. आंबेडकर जयंती संयुक्त समारोह समिति की अगुवाई में बाइक रैली निकाली गई।

वहीं अन्य राजनीतिक संगठनों ने भी बाबा साहेब की जयंती मनाई। बाबा साहेब डॉ. भीम राव आंबेडकर जयंती पर नगर पालिका स्थित आंबेडकर पार्क में सैकड़ों लोग पहुंचे।

प्रसिद्ध एकेश्वर कौथिग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शुरू

महिला मंगल दल एवं स्वयं सहायता समूहों ने लोकनृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दी प्रस्तुति, आज लोक गायिका हेमा करासी और सौरभ मैठाणी देंगे प्रस्तुति

एकेश्वर कौथिग में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते हुए महिला मंगल दल की महिलाएं।

एकेश्वर कौथिग में मुख्य अतिथि आरती नेगी जिपं सदस्य चैदार महिला मंगल की सदस्यों को सम्मानित करते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : बैशाख महीने में लगने वाले प्रसिद्ध एकेश्वर कौथिग का विधिवत शुभारंभ हो गया है। दो दिवसीय मेले के प्रथम दिवस में मेला समिति के सदस्यों द्वारा सिद्ध पीठ एकेश्वर महादेव की पूजा अर्चना के बाद मेले का शुभारंभ किया गया। एकेश्वर कौथिग के दूसरे दिन मंगलवार को प्रसिद्ध जागर गायिका हेमा नेगी करासि ओर लोक गायक सौरभ मैठाणी अपनी प्रस्तुति देंगे।

सोमवार को बतौर मुख्य अतिथि आरती नेगी जिला पंचायत सदस्य चैदार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मेले के प्रथम दिवस में 40 ग्राम सभाओं के महिला मंगल दल एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा पारंपरिक लोकनृत्य एवं सांस्कृतिक झांकियों का प्रदर्शन किया गया। झांकी एवं लोकनृत्य की प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका आशीष नेगी, नरेश सुंदरियाल, सरिता जोशी, मनोज भट्ट ने निभाई। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य आरती नेगी ने कहा कि हमारा प्रयास लोक संस्कृति एवं परंपरा का संरक्षण होना चाहिए। इस तरह के कार्यक्रमों से ही नवीन पीढ़ी अपनी संस्कृति के जड़ों को समझ पाएगी। इस अवसर पर मेला समिति के अध्यक्ष नरेंद्र नेगी, सुनील रावत, प्रकाश जदली, पंकज पोखरियाल, तेजपाल पंवार सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन गणेश खुगशाल गणी ने किया।

छिलबट ने खूब गुदगुदाया

मेले में हास्य कलाकार संदीप छिलबट ने अपने चुटकुलों से लोगो का मनोरंजन किया। उन्होंने पहाड़ में फैली कुरीतियों पर अपने व्यंग्य से कटाक्ष किया।

बाबा साहब के जीवन से प्रेरणा ले विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में आईक्यूएसी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में अंबेडकर जयंती के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी का शुभारम्भ प्रभारी प्राचार्य डॉ. दुदुन मेहता ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इस अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. अतुल सिंह द्वारा डॉ. अंबेडकर के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के जीवन से विद्यार्थियों को प्रेरणा लेनी चाहिए। डॉ. अम्बेडकर द्वारा दिए गए संदेश 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' आज भी लोगों को प्रेरित करते है। गृह विज्ञान विभाग की प्रभारी डॉ. जया कृष्ण ने अंबेडकर जयंती के मुख्य उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने संविधान निर्माण में जो योगदान दिया, वह भारत को एक आधुनिक, लोकतांत्रिक और समतावादी राष्ट्र बनाने की नींव था।

राजकीय महाविद्यालय थलीसैंण में संगोष्ठी को संबोधित करते हुए वक्ता।

प्रभारी प्राचार्य डॉ. दुदुन मेहता ने अंबेडकर द्वारा महिलाओं, पिछड़े वर्गों और दलित समुदाय को अधिकार दिलाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदमों के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विवेक रावत ने किया। इस मौके पर डॉ .नीरज असवाल, डॉ. विकास प्रताप सिंह, डॉ. हरिओम रावत, डॉ. जूली, डॉ. विनोद कुमार, बलबीर सिंह, अनिल कुमार उपस्थित रहे।

पॉवर जेई एसोसिएशन का महाअधिवेशन आज

देहरादून। उत्तराखंड पॉवर जूनियर इंजीनियर्स एसोसिएशन के द्विवार्षिक महाधिवेशन का आयोजन मंगलवार को देहरादून यमुना कालोनी में होगा। महाधिवेशन के लिए यूपीसीएल मैनेजमेंट ने एक दिन का विशेष आकस्मिक अवकाश स्वीकृत कर दिया है। एसोसिएशन के महासचिव पवन रावत ने बताया कि महाधिवेशन में पूरे प्रदेश से जूनियर इंजीनियर्स एसोसिएशन के सदस्य पहुंचेंगे। महाधिवेशन में पुरजोर तरीके से अपनी मांगों को रखा जाएगा। सहायक अभियंता पद पर वरिष्ठता निर्धारण में होने वाली देरी के खिलाफ आवाज उठाई जाएगी। वरिष्ठता निर्धारण के साथ जल्द से जल्द अधिशासी अभियंता के खाली पदों पर पदोन्नति सुनिश्चित कराए जाने को दबाव बनाया जाएगा। कहा कि महाधिवेशन में आगामी आंदोलन की रणनीति भी तय होगी।

आंबेडकर जयंती पर कांग्रेस भवन में सामूहिक भोज

देहरादून। संविधान निर्माता बाबा साहब भीम राव आंबेडकर की जयंती पर कांग्रेस मुख्यालय भवन में गोष्ठी के साथ खिचड़ी और पल्लर का सहभोज आयोजित किया गया। इससे पूर्व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घंटाघर स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं, संविधान बचाओ, सौहार्द बढ़ाओ गोष्ठी को आयोजित की गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि बाबा साहब ने भारत को एक ऐसा पवित्र ग्रंथ संविधान के रूप में दिया है, जिसे भारत के सभी एक सौ चालीस करोड़ लोग मानते हैं। लेकिन भाजपा और आरएसएस के लोग इसे नष्ट, भ्रष्ट करने पर आमदा हैं। उन्होंने कहा कि आज चाहे उत्तराखंड की सरकार हो या केंद्र की भाजपा सरकार, दोनों लगातार संविधान पर लगातार हमला कर रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष व गोष्ठी के संयोजक मदन लाल ने कहा कि कांग्रेस पूरे प्रदेश में वंचित शोषित, अनुसूचित जाति, जनजाति व गरीब समाज को कांग्रेस के झंडे के नीचे लामबंद कर बाबा साहब भीम राव आंबेडकर के उस सपने को साकार करेगी। कांग्रेस बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप जोशी ने कहा कि डॉ आंबेडकर केवल एक वर्ग या जाती के नेता नहीं, बल्कि वे समाज के हर उस व्यक्ति के मसीहा हैं, जो वंचित है, शोषित है, गरीब है इस अवसर पर प्रत्यूष, वीरेंद्र पोखरियाल, जगदीश धीमान, सुनील जायसवाल, अर्जुन सोनकर, अभिषेक तिवारी, सीपी सिंह, देवेंद्र सिंह, दिनेश कौशल, गगन छाचर, करण गाघट, आशीष देसाई, कैलाश आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनका भावपूर्ण स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने डॉ. अंबेडकर के व्यक्तित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान के शिल्पकार थे। उनके सिद्धांतों और मार्गदर्शन से समाज में व्यापक परिवर्तन आया। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज के वंचित और शोषित वर्गों के उत्थान हेतु समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दिन हमें डॉ. अंबेडकर के दिखाए मार्ग पर चलने और उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा देता है।

पिंडारी क्षेत्र में कैमरे लगाकर लौटी वन विभाग की टीम

बागेश्वर। वन विभाग की पिंडारी, कफनी व सुंदरढूंगा गलेशियरों में हिम तेंदुओं की सर्वे कर रही है। एक दल वहां ट्रैप कैमरे आदि लगाकर लौट आई है। अब एक सप्ताह बाद फिर टीम जाएगी। वहां जाकर जांच की जाएगी कि हिम तेंदुओं की आवाजाही कैद हुई या नही। जरूरत पड़ी तो कैमरे की दिशा भी बदली जाएगी। यह टीम हिम तेंदुओं के रहन–सहन तथा खान–पान पर नजर रखेगी। जेआरएफ रजत जोशी, फील्ड सहायक तरुण खतवाल, वन दरोगा गजेंद्र सिंह, वन आरक्षी हयात सिंह एक सप्ताह तक पिंडारी ग्लेशियर क्षेत्र में रहे। वह अपने साथ खाती से स्थानीय पोर्टर को भी ले गए। वहां एक सप्ताह रहने के बाद वह लौट आए हैं। सर्वे के लिए टीम ड्रोन कैमरा, दूरबीन, डिजिटल कैमरा की मदद से सर्वे कार्य किया। क्षेत्र में ट्रैप कैमरे आदि लगाए। अब टीम वापस आ गई है। एक सप्ताह बाद फिर से टीम जाएगी और हिम तेंदुओं की आवाजाही आदि पर सर्वे करेगी। यदि कैमरे ट्रैप होंगे तो उसी आधार पर उनके रहन–सहन, भोजन आदि पर कार्य होगा। यदि जरूरत पड़ी तो कैमरों की दिशा भी बदली जाएगी। एक सप्ताह बाद फिर से टीम ग्लेशियरों की ओर जाएगी। वही डीएफओ ध्रुव सिंह मर्तोलिया ने कहा कि सर्वे के दौरान वन प्रभाग के पिंडारी, कफनी, सुंदरढूंगा आदि क्षेत्र में हिम तेंदुओं की मौजूदगी और संख्या का पता लगाया जाएगा।

कर्णप्रयाग में बनेगी बहुमंजिला पार्किंग : धामी

चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कर्णप्रयाग में आयोजित बैसाखी मेले में वर्चुअल माध्यम से लोगों को संबोधित किया। सीएम ने कहा कि कर्णप्रयाग तक रेल लाइन से उत्तराखंड के दूर दराज क्षेत्रों को जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कर्णप्रयाग में सरस्वती शिशु मंदिर से बाजार की ओर पिंडर नदी पर बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य करवाए जाने, कर्णप्रयाग में बाजार के समीप एक पार्किंग का निर्माण किए जाने, कनखुल टैक्सी स्टैंड के समीप बहुमंजिला पार्किंग का निर्माण किए जाने, सिमली में मोटर पुल के समीप पार्किंग का निर्माण किए करने, राजकीय इंटर कॉलेज से सांकरीसेरा, पलेठी एवं पाडली तक सड़क का निर्माण कराए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती एवं बैसाखी पर्व की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार आपदा पीड़ित परिवारों के साथ हर कदम पर खड़ी है। उन्होंने आपदा पीड़ित परिवारों के पुनर्वास के लिए

अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा बाबा केदारनाथ धाम और हेमकुंड साहिब के लिए रोपवे निर्माण की भी स्वीकृति भारत सरकार से प्रदान हो गई है। अगले वर्ष नौटी गांव से मां नंदा देवी की राजजात यात्रा प्रारंभ होगी, जिसके लिए राज्य सरकार अभी से तैयारियों में जुट गई है। राजजात यात्रा को हम सब मिलकर और अधिक भव्य और दिव्य रूप में मनाएंगे। इस मौके पर डीएम संदीप तिवारी, विधायक अनिल नौटियाल, जिला पंचायत प्रशासक रजनी भंडारी, पालिकाध्यक्ष गणेश शाह, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल बर्तवाल, पूर्व काबिना मंत्री राजेंद्र भंडारी, मंडल अध्यक्ष बृजेश बिष्ट, चेतन मनूडी, राजा चौहान, हरीश सती आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

सीएम के निर्णय, डीएम के समर्पण से धरातल पर उतरते विकास कार्य

–स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में जुटे डीएम –जिला चिकित्सालय में स्थापित हो रही, सुगम सुविधाएं, ब्लड बैंक, हिलांस कैंटीन, ओटोमेटेड पार्किंग –जिला चिकित्सालय कोरोनेशन में ब्लड बैंक निर्माण कार्य युद्धस्तर पर –कोरोनेशन चिकित्सालय में भी आटोमेटेड पार्किंग निर्माण अंतिम चरण में

देहरादून। मुख्यमंत्री के कड़े निर्णय व मार्गदर्शन एवं जिलाधिकारी सविन बंसल के समर्पण भाव से विभिन्न से जिले विकास कार्य धरातल पर उतरने लगे हैं। जिला चिकित्सालय बल्ड बैंक निर्माण युद्धस्तर पर जारी है। इसके अतिरिक्त चिकित्सालय में आटोमेटेड पार्किंग, कैंटीन का निर्माण कार्य भी अतिम चरण में है।

जिलाधिकारी सविन बंसल जनपद में स्वास्थ सेवाओं एवं जन सामान्य से संबंधित विषयों एवं समस्याओं पर गंभीर हैं। जिला चिकित्सालय में ब्लड बैंक स्थापित करना डीएम की सवीच्च प्राथमिकता में से एक है। जिसके परिणाम स्वरूप जिला चिकित्सालय कोरोनेशन में धनराशि 142.91 लाख से ब्लड बैंक का निर्माण शुरू हो गया है।जिलाधिकारी स्वयं इसकी मॉनिटरिंग के साथ ही शासन तथा उच्च स्तर पर स्वयं समन्वय कर रहें हैं, जिसके परिणाम स्वरूप इस वर्ष जिला चिकित्सालय को अपना ब्लड बैंक,मिल जाएगा जिसका कार्य युद्धस्तर पर जारी है। जिलाधिकारी स्वयं इसकी मॉनिटरिंग के साथ ही शासन तथा उच्च स्तर पर स्वयं समन्वय कर रहें हैं, जिसके परिणाम स्वरूप इसी वित्तीय वर्ष जिला चिकित्सालय को अपना ब्लड बैंक, मिलने की संभावना बढ गई है। जहां जिला चिकित्सालय को अपन ब्लड बैंक होगा, वहीं जनमानस मरीजों आगंतुकों को रक्त की आवश्यकता होने पर भटकना नहीं पड़ेगा। जहां जिला चिकित्सालय को अपना ब्लड बैंक होगा, वहीं जनमानस मरीजों आगंतुकों को रक्त की आवश्यकता होने पर भटकना नहीं पड़ेगा। इसके साथ ही चिकित्सालय में जल्द ही डेडिकेटड '' रक्त गरूड़'' इलैक्ट्रिक वाहन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे तीमारदारों को बल्ड लेने को आवागमन में सुविधा होंगी। साथ ही एसएसएनसीयू की क्षमता भी डबल की जा रही है। डीएम के निर्देश पर चिकित्सालय में आशाघर की सुविधा एवं दवाई के कांउटर पहले ही बढा दिए गए है। राज्य का पहला वैक्सिनेशन सेंटर जो पूरे सप्ताह वैक्सिनेशन की सुविधा देता है शुरू करवा दिया गया है।

जिलाधिकारी श्री बंसल पदभार ग्रहण करते ही जनमानस से जुड़े विषयों पर गंभीर हैं लोकसेवक के रूप जनमानस के उनके दायित्वों को निर्वहन करने में सदैव तत्पर रहे हैं। उन्होंने पदभार ग्रहण करते ही स्वास्थ्य सेवाओं को पटरी पर लाने का कार्य कर रहे, चिकित्सालय में ब्लड बैंक निर्माण कार्यों से लेकर एसएसएनसीयू संचालित करना, चिकित्सालय में आशा घर, उप जिला चिकित्सालय में आईसीयू संचालित करना, दुरस्थ क्षेत्र त्यूनी का चिकित्सालय में अल्ट्रासाउण्ड व एक्स–रे मशीन सहित रेडियोलॉजिस्ट की व्यवस्था, साहिया में स्वास्थ्य सेवा में सुधार, विकासनगर चिकित्सालय में मरीजों हेतु निशुल्क भोजन, चिकित्सालयों दवाई कांउटर बढाने, प्रेमनगर में ओटी संचालन, साहिया में अल्ट्रायाउंड मशीन स्थापित करने तथा रोस्टरवार रेडियोलॉजिस्ट की डयूटी लगाने, जिला चिकित्सालय के एसएसएनसीयू तथा नारीनिकेतन के लिए डेडिकेटेड एम्बुलेंस आदि अनेक कार्य स्वास्थ्य क्षेत्र में किये है।

मोदी सरकार ने दिया आंबेडकर को उचित सम्मान : नरेश बंसल

देहरादून। राज्यसभा सांसद और भाजपा राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष नरेश बंसल ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव आंबेडकर को सम्मान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र में जब मोदी सरकार आई तो बाबा साहब को उचित सम्मान मिल पाया। सोमवार को बाबा साहब डा भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती पर नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने देश को संविधान देकर वंचित वर्ग को जीविकोपार्जन की सारी सुविधाएं देने की संवैधानिक व्यवस्था दी। उन्होंने कहा कि आंबेडकर की सोच के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के वंचित वर्ग को योजनाएं देने का काम किया है।

बंसल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बाबा साहब की प्रेरणा से ही आज देश में सामाजिक न्याय के सपने को साकार करने में जुटे हुए हैं। उनके सिद्धांत और आदर्श एक आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण को गति देंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार संविधान में बताए मार्ग पर चलते हुए भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए काम कर रही है। बंसल ने कहा कि कांग्रेस ने आंबेडकर का अंतिम संस्कार तक दिल्ली में नहीं होने दिया था।

ग्राम पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से आजीविका संर्वधन की अभिनव पहल

देहरादून। देहरादून के विकासखंड रायपुर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से पर्यावरण संरक्षण और आजीविका संर्वधन की अभिवन पहल शुरू की हैं। पांच ग्राम पंचायत धनोला, अस्थल, कार्लीगाढ़, बझेत और खैरी में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं घर–घर सूखा कूड़ा–कचरा एकत्र करने के साथ–साथ अपनी आजीविका संर्वधन कर रही हैं। इस कार्य में वेस्ट वॉरियर्स एनजीओ द्वारा आवश्यक आर्थिक सहायता और प्रशिक्षण दिया गया है। महिलाएं प्रतिमाह रू0 6000 तक आय सृजित करने लगी हैं।

ग्राम पंचायत में कूड़ा प्रबंधन हेतु यह एक सराहनीय प्रयास है। जहाँ समूह की महिलाएं ठोस कचरा अपशिष्ट प्रबंधन

के लिये आम जनमानस को प्रेरित कर रही हैं, साथ ही अपनी आजीविका में वृद्धि कर रही हैं। निकट समय में प्रत्येक ग्राम पंचायत में 30 रू० प्रति माह प्रत्येक घर से शुल्क निर्धारित किया जाना प्रस्तावित है। जिससे समूहों को एक निर्धारित और अधिक आय अर्जित हो सकेगी। एनआरएलएम समूह की इन महिलाओं को पर्यावरण सखियों के नाम से जाना जा रहा है। ग्राम पंचायतों में उनके कार्यों की खूब सराहना भी की जा रही है।

एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक विकसित भारत के लिए अहम : भट्ट

देहरादून। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक को विकसित भारत निर्माण के लिए बेहद अहम बताया। उन्होंने कहा कि सदन और बाहर इस मुद्दे पर स्वस्थ चर्चा कर निर्णय लेने का समय आ गया है। महेंद्र भट्ट ने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि यह विधेयक देश के भले के लिए है और इसे वो लोग भी जानते हैं जिन्होंने 1967 तक इस प्रक्रिया के तहत सरकार बनाई। लेकिन आज राजनैतिक कारणों से विरोध कर रहे हैं। भट्ट ने कहा कि यह विचार नया नहीं है बल्कि देशहित में स्वस्थ लोकतान्त्रिक परंपरा को फिर से स्थापित करने का ऐतिहासिक प्रयास है। उन्होंने कहा कि सभी को इस विधेयक को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर समर्थन देना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक देश एक चुनाव आज देश के विकास और देशवासियों के कल्याण के लिए बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनभावना और देश की जरूरत को आत्मसार करते हुए इस मुद्दे को हाथ में लिया है।

भट्ट ने कहा कि केंद्र सरकार ने विधेयक के सभी पहलुओं पर विचार विमर्श के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति का गठन किया था।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338